बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है

विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की।

सम्पर्क करें

मो0-9456278011

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 95 | बृहस्पतिवार 27 जुलाई 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव के बीच पीएम मोदी का प्रगति मैदान में हवन-पूजन

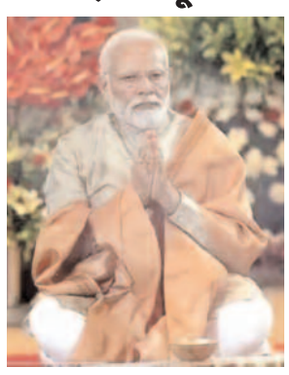

नई दिल्ली। कांग्रेस की अगुवाई में विपक्षी दल मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव लेकर आ रहे हैं। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह प्रगति मैदान में हवन-पूजा की है। पीएम मोदी के ही हाथों आज आईटीपीओ कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन होने वाला है। इसे जी20 की बैठकों के लिए लिए खास तौर पर तैयार किया गया है। आज शाम एक भव्य कार्यक्रम के दौरान इसे देश को समर्पित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह की शुरुआत सुबह 10 बजे प्रधानमंत्री मोदी द्वारा हवन पूजन के साथ हुई। इसके बाद निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को सम्मानित किया जाएगा। आज ही शाम को पीएम मोदी 6:30 बजे एक भव्य उद्घाटन समारोह के लिए आईटीपीओ आएंगे। यहां वह जी20 टिकट और सिक्का जारी करेंगे। साथ ही शाम करी 7:05 बजे उनका भाषण होगा। आपको बता दें कि विपक्ष लगातार मणिपुर के मुद्दे पर संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान की मांग कर रहा है। मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि सरकार हर मुद्दे पर संसद में चर्चा करने के लिए तैयार है। आपको बता दें कि संसद का मॉनसून सत्र में विपक्ष के विरोध-प्रदर्शन के कारण कामकाज ठप पड़ा हुआ है। कल लोकसभा में भारी शोर-शराबे के बीच लोकसभा में दो विधेयक पास किए गए। राज्यसभा में गतिरोध की स्थिति बनी हुई है।

जब अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में अटलजी ने की थी कांग्रेसी प्रधानमंत्री की खूब तारीफ, देवगौड़ा पर तंज

नई दिल्ली। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष दूसरी बार अविश्वास प्रस्ताव लाने जा रहा है। इससे पहले 2018 में भी विपक्ष ने मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया था, जिसमें विपक्ष को मुंह की खानी पड़ी थी। मोदी से पहले एनडीए के पहले प्रधानमंत्री रहे अटल बिहारी वाजपेयी को भी तीन बार लोकसभा में विश्वासमत परीक्षण से गुजरना पड़ा था।

पहली परीक्षा में फेल हो गए थे वाजपेयी

1996 के आम चुनावों में बीजेपी 161 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार अटल बिहारी वाजपेयी को तब के राष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा ने सरकार बनाने का निमंत्रण दिया था। साथ ही सदन में बहुमत साबित करने को भी कहा था। 16 मई 1996 को अटल बिहारी वाजपेयी ने पहली बार देश की बागडोर संभाली थी लेकिन 13 दिन बाद जब लोकसभा में विश्वास मत परीक्षण हुआ तो वह बहुमत साबित करने में विफल रहे। इसके बाद उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।

सदन को पढ़ाया था राजनीति का धर्म और मर्म-28 मई, 1996 को अटल बिहारी

वाजपेयी ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने से पहले लोकसभा में विश्वासमत प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भाषण दिया था। वह भाषण अभी भी लोगों के जेहन में है और काफी याद किया जाता है। तब वाजपेयी ने सभी राजनीतिक दलों के नुमाइंदों को भविष्य के लिए राजनीति का धर्म और मर्म का पाठ पढ़ाते हुए कहा था, सत्ता का खेल तो चलेगा, सरकारें आएंगी-जाएंगी, पार्टियां बनेंगी-बिगड़ेंगी मगर ये देश रहना चाहिए। इस देश का लोकतंत्र अमर रहना चाहिए।÷ उन्होंने कहा था, देश में ध्रुवीकरण नहीं होना चाहिए। न सांप्रदायिक आधार पर, न जातीय आधार पर और न ही राजनीति ऐसे दो खेमों में बंटनी चाहिए कि जिनमें संवाद न हो, जिनमें चर्चा न हो।

सदन में की थी कांग्रेसी प्रधानमंत्री की खुली तारीफ

तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कहा था, देश आज संकटों से घिरा है और जब-जब देश संकटों से घिरा है, हमने उस समय की सरकारों को मदद की है। वाजपेयी ने पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस नेता पीवी नरसिम्हा राव की तारीफ करते हुए कहा था कि राव ने उन्हें नेता विपक्ष के तौर पर संयुक्त राष्ट्र के सम्मेलन में जिनेवा में भारत का पक्ष रखने को भेजा था, इसे देखकर पाकिस्तान चाकित रह गया था। पाकिस्तान को इस बात पर हैरत थी कि विरोधी दल के नेता सरकार का पक्ष रखने कैसे आ गए, जबकि पाकिस्तान में विरोधी दल के नेता सरकार की आलोचना हरेक मोर्चे पर देश के अंदर और बाहर भी करते रहे हैं। भारत में इसकी जगह नहीं होनी चाहिए। ये कटुता बढ़नी नहीं चाहिए।

देवगौड़ा पर ली थी चुटकी

उसी सदन में अपने भाषण के दौरान वाजपेयी ने यूनाइटेड फ्रंट द्वारा एचडी देवगौड़ा को नेता चुनने पर चुटकी ली थी और कहा था कि मुझे नहीं पता कि यूनाइटेड फ्रंट ने फोर्थ च्वाइस को फर्स्ट च्वाइस कैसे बना दिया। वाजपेयी ने तंज कसा कि जो उनके चौथे च्वाइस थे, अब देश के पहले च्वाइस बनने जा रहे हैं। इस भाषण के बाद उन्होंने राष्ट्रपति को जाकर अपना इस्तीफा सौंप दिया था। दो दिन 1 जून को एचडी देवगौड़ा ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी।

वाजपेयी को दो और बार करना पड़ा अविश्वास प्रस्ताव का सामना

1996 के बाद वाजपेयी 1998 में दोबारा सत्ता में आए लेकिन सिर्फ 13 महीने बाद अप्रैल 1999 में उन्हें फिर से अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा। भाजपा के गठबंधन सहयोगी - एआईएडीएमके - के समर्थन वापस लेने के बाद वाजपेयी सरकार एक वोट से गिर गई थी। भाजपा की अगुवाई वाले सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन को 269 वोट मिले थे, जबकि विपक्ष को 270 वोट मिले थे।

कांग्रेस की सोनिया गांधी के नेतृत्व में विपक्ष सरकार बनाने के लिए संख्याबल जुटाने में विफल रहा। इसके बाद लोकसभा फिर से भंग कर दी गई और नए चुनाव हुए। चुनाव होने तक वाजपेयी कार्यवाहक प्रधान मंत्री बने रहे। 1999 के आम चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने लोकसभा की 543 सीटों में से 303 सीटें जीतकर बहुमत हासिल कर लिया।

13 अक्टूबर 1999 को अटल बिहारी वाजपेयी ने तीसरी बार भारत के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली थी। जब वाजपेयी ने दोबारा जॉर्ज फर्नांडिस को मंत्रिमंडल में शामिल किया तो कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। 19 अगस्त 2003 को एक बार फिर वाजपेयी को अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा, जिसमें वाजपेयी सरकार की जीत हुई थी।

जरूरत पड़ने पर नियंत्रण रेखा भी पार करेगी भारतीय सेना: राजनाथ

कारगिल 26 जुलाई (वेबवार्ता) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कारगिल विजय दिवस के मौके पर पड़ोसी देश को सख्त संदेश देते हुए कहा कि यदि भारत की ओर नजर उठा कर देखा गया तो सेना नियंत्रण रेखा को पार कर दुश्मन को नेस्तनाबूद कर देगी। सिंह ने बुधवार को विजय दिवस के मौके पर यहां कारगिल के द्रास में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सेना 1999 में ही विजय के बाद नियंत्रण रेखा को पार कर सकती थी, लेकिन भारत की शांतिप्रिय देश की विचारधारा, भारतीय मूल्यों में विश्वास और अंतरराष्ट्रीय नियमों के प्रति वचनबद्धता के कारण उस समय यह कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा, उस समय अगर हमने एलओसी पार नहीं किया, तो इसका मतलब यह नहीं कि हम एलओसी पार नहीं कर सकते थे। हम एलओसी पार कर सकते थे, हम एलओसी पार कर सकते हैं, और जरूरत पड़ी तो भविष्य में एलओसी पार करेंगे। मैं इसे फिर से दोहराना चाहूँगा, कि हम एलओसी पार कर सकते थे, हम एलओसी पार कर सकते हैं, और जरूरत पड़ी तो भविष्य में एलओसी पार करेंगे, इसका मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूँ। रक्षा मंत्री ने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि राष्ट्र का मान-सम्मान और इसकी प्रतिष्ठा सरकार के लिए किसी भी चीज़ से ऊपर है, और इसके लिए वह किसी भी हद तक जा सकती है। मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में कुछ देशों में युद्ध के अत्यधिक लंबा चलने का हवाला देते हुए उन्होंने देशवासियों से सेनाओं के सहयोग के लिए हर समय तत्पर रहने को कहा उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब हर देशवासी को सैनिक की भूमिका निभाने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि कोई भी युद्ध केवल सेनाओं के बीच ही नहीं होता उन देशों की जनता के बीच भी युद्ध होता है। उन्होंने कहा, युद्ध में सिर्फ सेना ही नहीं लड़ती बल्कि कोई भी युद्ध दो राष्ट्रों के बीच होता है, उनकी जनता के बीच होता है। आप देखिए, कि किसी भी युद्ध में प्रत्यक्ष रूप से सेनाएँ तो भाग लेती ही हैं, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से आप देखें, तो उस युद्ध में किसान से लेकर डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक व कई सारे पेशों के लोग शामिल होते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश, नोएडा में स्कूल बंद करने का आदेश

गाजियाबाद। दिल्ली-एनसीआर के मौसम ने करवट लेते हुए उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई है। मंगलवार रात को गाजियाबाद में हुई बारिश से मौसम सुहाना हो गया है। नोएडा के कुछ इलाकों में काले बादल छाए हुए हैं। वहीं दिल्ली के कई इलाकों में बुधवार तड़के अच्छी बारिश हुई। बारिश के मद्देनजर आज गौतम बुद्ध नगर जिले में सभी स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। यह जानकारी जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ धर्मवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि जनपद में वर्षा एवं जलभराव को दृष्टिगत रखते हुए जिला मजिस्ट्रेट मनीष कुमार वर्मा के निर्देश पर आज जनपद के कक्षा एक से कक्षा 12 तक के सभी विद्यालय बंद रहेंगे।

अगले तीन दिन होगी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में अगले तीन दिनों तक बादल मेहरबान रहेंगे। इस दौरान ठंडी हवाएं चलेंगी और बारिश होगी। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 और 25 डिग्री के आसपास रहेंगे। विभाग के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में लगातार बादलों की आवाजाही रहेगी। बारिश की वजह से दिल्ली की हवा लगातार साफ चल रही है।

बारिश से राहत एवं बचाव पर पड़ेगा असर

गाजियाबाद में मंगलवार रात को बारिश हुई। बुधवार सुबह भी बारिश हो रही है। पिछले एक घंटे से लगातार बादल बरस रहे हैं। इसका असर हिंडन नदी के जलस्तर पर पड़ सकता है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य पर बारिश विपरीत असर डाल सकती है। बता दें कि हिंडन नदी में पिछले कई दिन से बाढ़ आई हुई है। नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। डूब क्षेत्र की कॉलोनियों के अलावा नदी से सटे गांवों में भी पानी भर गया है।

वो सीमा पर थे, इसलिए आज हम हैं : शिवराज

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को नमन करते हुए कहा कि मातृभूमि के वीर सिपाही सीमा पर थे, इसलिए आज हम हैं।

श्री चौहान ने स्थानीय शौर्य स्मारक में शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद कहा कि वे मातृभूमि के लिए अपना सर्वस्व लुटाने वालों शहीदों को प्रदेश की संपूर्ण जनता की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं।

उन्होंने कहा कि वे सैनिक थे, जिन्होंने एक-एक इंच जमीन

दुश्मनों से छुड़ाने के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी देश के प्रधानमंत्री थे। तत्कालीन समय में सेनाओं से दिखा दिया कि भारत माता की ओर आंख उठा कर देखने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में शक्तिशाली और सशक्त भारत बना है।

उन्होंने कहा कि हर देशवासी को देश की सीमाओं की रक्षा कर रहीं तीनों सेनाओं पर गर्व है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल को आया ठगों का वॉट्सऐप कॉल, उठाया तो चलने लगा पोर्न; दो को दबोचा गया

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल के साथ सेक्सटॉर्शन का मामला सामने आया है। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रह्लाद पटेल के पास आरोपियों की ओर से एक वीडियो कॉल आया था। उन्होंने जब कॉल रिसीव की तो पोर्न वीडियो चलने लगा। इस कॉलिंग को रिकॉर्ड करके आरोपी क्लिप को वायरल कर उन्हें बदनाम करने की धमकी देने लगे। इसके बाद उनके निजी सचिव आलोक मोहन ने जून के आखिरी सप्ताह में दिल्ली पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवाई थी। दिल्ली पुलिस के अधिकारी के मुताबिक दोनों आरोपियों के नाम मोहम्मद वकील और मोहम्मद साहिब हैं। ये दोनों ही आरोपी राजस्थान के भरतपुर के रहने वाले हैं। पुलिस का कहना है कि इस गैंग का मुखिया

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल को सेक्सटॉर्शन कॉल के जरिए ब्लैकमेल करने की कोशिश का मामला सामने आया है। दिल्ली पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों राजस्थान के रहने वाले हैं।

मोहम्मद साबिर अभी फरार है और पुलिस तलाश कर रही है।

क्या होता है सेक्सटॉर्शन कॉल?

इस तरह के कॉल के जरिए किसी का वीडियो वायरल कर बदनाम करने की कोशिश की जाती है। वीडियो के जरिए ब्लैकमेलिंग की जा सकती है। अकसर इस तरह का कॉल किसी के पास अचानक आता है। यह एक वीडियो कॉल होता है। अगर कोई वीडियो कॉल रिसीव करता है तो दूसरी तरफ से अश्लीलता परोस दी जाती है। इसके बाद यह वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिया जाता है। इस तरह के अकस बुजुर्गों को फांसा जाता है। सेक्सटॉर्शन के जरिए ठगने के कई मामले पहले भी सामने आ चुके हैं। हालांकि थोड़ी सतर्कता से इस तरह की ब्लैकमेलिंग से बचा जा सकता है।

दिल्ली पुलिस ने बिछाया था आरोपियों को पकड़ने का जाल

दिल्ली पुलिस के पास केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल ने अपने ऑफिस के जरिए शिकायत दर्ज करवाई। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश जाते वक्त उनके पास वॉट्सऐप कॉल आया था। जब कॉल रिसीव की तो अश्लील वीडियो चलने लगा। उन्होंने कॉल काट दी तो वॉइस कॉल आ गई और उन्हें बदमान करने की धमकी दी जाने लगी। उन्होंने नंबर और अन्य जानकारियां पुलिस को दे दी थीं। इसके बाद पुलिस ने अपना जाल बिछाना शुरू किया। आरोपियों के नंबर ट्रैस किए गए। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए स्थानीय सूत्रों की मदद ली। बताया जा रहा है कि पुलिस ने उस फोन को भी बरामद कर लिया है जिससे कॉल की गई थी। इसे फरेंसिक लैब भेजा गया है।

मणिपुर के बीजेपी विधायक को दिया गया बिजली का झटका, मार गया लकवा; अब वापस जाने से डर रहा परिवार

नई दिल्ली। मणिपुर में हिंसा की शुरुआत होने के बाद ही भाजपा विधायक विंगजागिन वाल्टे और उनके परिवार पर भीड़ ने हमला कर दिया था। वह मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह से मिलकर सचिवालय लौट रहे थे तभी उनपर भीड़ ने हमला कर दिया। वाल्टे कुकी जनजाति से आते हैं। उनको इतनी बुरी तरह प्रताड़ित किया गया कि वह अपनी याददाश्त खो बैठे थे और उनके अंग भी ठीक से काम नहीं कर रहे थे। बिजली का करंट देने और पिटाई की वजह से उनको लकवा मार गया।

पिटाई के साथ दिया गया बिजली का झटका

60 साल के भाजपा विधायक को एयरलिफ्ट करके दिल्ली लाया गया। इस समय वह अपने परिवार के साथ कालकाजी एक्सटेंशन के एक किराए के मकान में रह रहे हैं। उन्हें हाल ही में अपोलो अस्पताल से छुट्टी दी गई है। डॉक्टरों का कहना है कि उनकी हालत में धीरे-धीरे सुधार आएगा। हालांकि इसमें दो महीने का समय लग सकता है। वाल्ते के बेटे जोसेफ ने कहा, मेरे पिता को रोककर उनके हाथपैर बांध दिए गए। इसके बाद उन्हें एक बड़े हॉल में ले जाया गया। उनके आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बिजली के झटके देने शुरू कर दिए। उनके ड्रावर की

पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।

जोसेफ ने कहा कि उनके पिता के सिर पर वार किया गया और इतनी बुरी तरह पीटा गया कि वे बैठ भी नहीं पा रहे थे। उनकी याददाश्त चली गई थी और वह कुछ बोल भी नहीं पा रहे थे।

परिवार बोला- सरकार से नहीं मिली कोई मदद-वाल्टे के परिवार का कहना है कि उन्हें एयर एंबुलेंस से दिल्ली पहुंचाया गया था लेकिन इसके बाद सरकार की तरफ से कोई मदद नहीं मिली। बेटे जोसेफ ने कहा कि जब तक मणिपुर के हालात नहीं सुधरते वे वापस घर नहीं जाएंगे। वहीं वाल्टे के परिवार का कहना है कि अब वे नहीं चाहते कि वाल्टे दबारा चुनाव लड़ें और विधानसभा जाएं। उन्होंने कहा कि कोई भी बड़ा नेता उनसे मुलाकात करने नहीं आया।

जोसेफ ने कहा कि उनके पिता लोगों की सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री से बात करने गए थे। उन्होंने कहा कि इलाज बहुत महंगा है। किसी तरह से उन्होंने 60 से 70 लाख रुपये की व्यवस्था की थी। लेकिन अभी कितना लंबा इलाज चलेगा इसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। सरकार की तरफ से भी कोई मदद नहीं मिल रही है ऐसे में परिवार को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

संपादकीय

डोभाल की खरी-खरी

गौरतलब है, मई 2020 में जिस समय गलवान की घटना घटी थी, वांग यी चीन के विदेश मंत्री हुआ करते थे, और इस वक्त वह न सिर्फ वहां के शक्तिशाली पोलित ब्यूरो के सदस्य हैं, बल्कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के करीबी भी माने जाते हैं। इसलिए डोभाल की इस दोटूक बात से बीजिंग को एहसास हो गया होगा कि सरहद पर तनाव पैदा करके वह नई दिल्ली को सौदेबाजी के लिए बाध्य नहीं कर सकता!

कारगिल विजय दिवस से ठीक पहले जोहानिसबर्ग में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के विदेश मामलों के आयोग के निदेशक वांग यी से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने जिस बेलाग तरीके से भारत के भरोसा दरकने की बात कही, उसके गहरे अर्थ हैं। खासकर तब, जब साल 2019 के बाद सीमा संबंधी मसलों पर दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की यह पहली बैठक हो। गौरतलब है, मई 2020 में जिस समय गलवान की घटना घटी थी, वांग यी चीन के विदेश मंत्री हुआ करते थे, और इस वक्त वह न सिर्फ वहां के शक्तिशाली पोलित ब्यूरो के सदस्य हैं, बल्कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के करीबी भी माने जाते हैं। इसलिए डोभाल की इस दोटूक बात से बीजिंग को एहसास हो गया होगा कि सरहद पर तनाव पैदा करके वह नई दिल्ली को सौदेबाजी के लिए बाध्य नहीं कर सकता! डोभाल से पूर्व भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर भी अनेक मौकों पर स्पष्ट कर चुके हैं कि जब तक सीमा पर शांतिपूर्ण संबंध न होंगे, तब तक दूसरी तमाम बातें मायने नहीं रखतीं। चीन हमेशा से यही चाहता रहा है कि सीमा संबंधी मसले को पीछे रखकर बाकी विषयों पर, खासकर कारोबारी रिश्तों के विस्तारीकरण की दिशा में आगे बढ़ा जाए, मगर भारत के सख्त रुख का ही नतीजा है कि उसके रवैये में कुछ नरमी दिखी है। मगर यह कितनी वास्तविक है, इसकी परख उसके द्वारा उठाए जाने वाले कदमों से होगी। क्या वह वास्तविक नियंत्रण रेखा पर मई 2020 से पहले की स्थिति कबूलने को तैयार है? दरअसल, कोविड महामारी के समय से ही चीनी अर्थव्यवस्था गंभीर मुश्किलों का सामना कर रही है। अब यह राज की बात नहीं कि अमेरिकी तनातनी के कारण उसके यहां से निवेशकों का पलायन हुआ है और कई चीनी कंपनियों को पश्चिमी देशों में तरह-तरह के प्रतिबंधों से गुजरना पड़ रहा है। अभी-अभी भारत सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली उसकी एक कंपनी के 8,200 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव को ठुकराया है। खबर यह भी है कि घरेलू मांग में कमजोरी के कारण चीन की अर्थव्यवस्था के सामने नए किस्म का संकट पैदा हो गया है और पोलित ब्यूरो ने इससे निपटने व आंतरिक स्तर पर मांग को मजबूती देने के लिए नीतिगत प्रोत्साहन का रास्ता सुझाया है। भारत की मजबूत होती आर्थिक स्थिति व वैश्विक मंचों पर उसके बढ़ते महत्व को स्वीकारने में बीजिंग को चाहे जितनी हिचक हो, वह इस असलियत की अनदेखी नहीं कर सकता। इसलिए वह चाह रहा है कि द्विपक्षीय रिश्तों में जमी बर्फ को पिघलाने का रास्ता निकाला जाए। भारत तो हमेशा से ही पड़ोसी देशों से बेहतर संबंधों का हिमायती रहा है, मगर चीन और पाकिस्तान से उसे बार-बार निराशा ही हाथ लगी है। यह सही है कि भूगोल पड़ोसी चुनने की इजाजत नहीं देता, मगर ताल्लुकात साफ नीयत पर ही टिकते हैं। शी जिनपिंग यदि वाकई विश्वास-बहाली को लेकर गंभीर हैं, तो बीजिंग को खुले दिल व ठोस कार्यक्रमों के जरिये सीमा-विवाद सुलझाने की पहल करनी चाहिए। भारत और चीन मिलकर एशिया का भविष्य बदल सकते हैं, पर भारत यह जरूर देखना चाहेगा कि क्या बीजिंग की मंशा साफ है? एक ओर, भारत विरोधी ताकतों का समर्थन, सरहद पर तनाव बढ़ाने का उपक्रम, और दूसरी ओर आर्थिक सहयोग की आकांक्षा नई दिल्ली को स्वीकार्य नहीं। इसलिए अजीत डोभाल की दोटूक बात न सिर्फ राजनयिक रूप से, बल्कि भारतीय जन-मन की इच्छा के भी अनुरूप है।

कार्टून

धर्म

उच्चतम प्रार्थना

संत राजिन्दर

प्रार्थना परमात्मा से बात करने का सबसे प्रभावशाली तरीका है। लोग कई प्रकार की प्रार्थनाएं करते हैं। कुछ लोग संसार की वस्तुओं को पाने के लिए प्रार्थना करते हैं। उदाहरण के लिए, एक बढ़िया नौकरी मिले। नया घर या नई कार मिले। कुछ लोग अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करते हैं कि वे और उनका परिवार शारीरिक रूप से स्वस्थ हो जाएं। कुछ अपने निजी संबंधों को बेहतर बनाने की प्रार्थना करते हैं। ज्यादातार लोग संसार की वस्तुओं के लिए प्रार्थना करते हैं। आमतौर पर जब हम प्रार्थना करते हैं, तब प्रभु से पूछते हैं कि क्या वे हमें वह सब देंगे? जब हम प्रार्थना करते हैं, हम हमेशा उन वस्तुओं को पाने की कोशिश करते हैं, जो हमें लगता है कि हमें मदद करेंगी। इस समय हमारे जीवन की सबसे बड़ी तस्वीर के बारे में हमारी जानकारी सीमित है। हमें लगता है, हम जो मांग रहे हैं वह हमें तमाम उम्र मदद करेगा परन्तु हो सकता है वह हमारे जीवन भर के लिए सही योजना न हो। जब हम प्रार्थना करते हैं और मनवांछित चीज पा भी लेते हैं, किंतु कुछ समय बाद देखते हैं कि वह अधिक समय के लिए हमारे लिए उपयुक्त नहीं है। इसलिए प्रार्थना करने का सही तरीका है कि प्रभु जो चाहे, वही हमारे जीवन में हो। प्रभु प्रत्येक और हर चीज जो हमारे साथ हो रही है, से वाकिफ हैं। प्रभु जानते हैं कि हमारे लिए क्या बेहतर है। उदाहरण के लिए हम सोच सकते हैं कि हमारे लिए एक करोड़ की लाटरी जीतना बेहतर हो सकता है यद्यपि थोड़े समय पश्चात हम यह अनुभव करते हैं कि रुपये मिलने के बाद दो अलग चीजों हो सकती हैं। हो सकता है कि इतनी बड़ी धनराशि मिलने का बाद हम रंगरलियों में खो जाएं और प्रभु को भूल जाएं अथवा हमारे सभी दोस्त उसका एक हिस्सा चाहें और अगर हम उन्हें ना करेंगे तब अपने दोस्तों को खो देंगे और हमारी जिंदगी तनहा हो जाएगी। हम अपने सीमित नजरिये के अनुसार जो हमारे लिए अच्छा है, मांगते हैं, किंतु अगर हम प्रभु के ऊपर छोड़ दें कि वे हमें वह दें, जो हमारे लिए बेहतर हो तब हम सच्ची प्रार्थना कर रहे हैं। प्रार्थना का उच्चतम प्रकार है, प्रभु को जानना और उससे एकमेक होना। चाहे अन्ये प्रार्थनाएं सच्ची हो सकती हैं, किंतु वे अक्सर कुछ प्राप्त करने के लिए की जाती हैं, जो हमारे भौतिक अस्तित्व को कायम रखने में सहायक होती हैं।

ज़िंदादिल विद्यार्थी ही निकलें विश्वविद्यालयों से

अविजीत पाठक

अविजीत पाठक

एक विश्वविद्यालय, जैसा कि मैं सोचता हूं, विद्यार्थियों और अध्यापकों का एक जीवंत और जिंदादिल समुदाय होना चाहिए, जहां दोनों साथ-साथ चलें; 'अध्यापन-शास्त्र' के मुताबिक सीखें और भूल सुधार करें; जहां अर्थपूर्ण अनुसंधान होता हो, जहां पर संस्कृति, राजनीति पर निरंतर बहस और संवाद चलता रहे, और एक न्यायपूर्ण एवं मानवीय दुनिया बनाने के लिए नाना प्रकार के विरोध करने के तौर-तरीकों पर विचार हो। शिक्षक मुक्त विचारों और आज़ादी भरे माहौल में फल-फूल सकें।

कुछ दिन पहले जब मैंने दिल्ली की साउथ एशियन यूनिवर्सिटी (एसएयू) के चार शिक्षकों के निलंबन की खबर पढ़ी, मुझे झटका तो लगा पर अनावश्यक हैरानी भी नहीं हुई। खैर, ये सब प्रोफेसर, जितना मैं जानता हूं, अपने-अपने विषय में महारत रखते हैं। लेकिन वे तथाकथित 'विशुद्ध मूल्य-निर्लेप' व्यावसायिक अध्यापक बनने की बजाय अंतरात्मायुक्त असली शिक्षक बनें, वह जो अपने विद्यार्थियों के साथ खड़ा हो और घुल-मिलकर रहे। कोई आश्चर्य नहीं कि छात्र अपनी मासिक छात्रवृत्ति घटाए जाने का विरोध कर रहे थे और कुछ 'वैधानिक समितियों' में अपने प्रतिनिधियों को शामिल करने की मांग भी थी। निलंबित अध्यापकों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से छात्रों से वार्ता करने और इस आंदोलन को महज कानून-व्यवस्था समस्या ठहराकर पुलिस के हाथों निपटाने की बजाय मसले का हल सहज तरीके से निकालने का आह्वान किया था। एक शिक्षक अस्पताल में भर्ती उस छात्र का हाल जानने पहुंचे, जो आंदोलन के दौरान गंभीर रूप से बीमार पड़ा। एक अच्छे समाज में, इन गुणों और नीयत के लिए उक्त शिक्षकों की बल्कि प्रशंसा होती। पर, हम अलग वक्त में जी रहे हैं जिसने हर चीज़ को उलटकर रख दिया है = नैतिकता को अनैतिकता में, संवेदनशीलता को व्यावसायिकता में और छात्रवृत्ति को बेरपरवाही में। इसलिए, जैसा कि मैं सोचता हूं, उनका निलंबन होना ही था क्योंकि विश्वविद्यालय प्रशासन से उनकी ऐसी 'उद्दंडता' आखिर कैसे सहन होती! खैर, यह समझना मुश्किल नहीं है कि इस किस्म के अनुशासनात्मक उपायों से विश्वविद्यालय प्रशासन शिक्षक समुदाय को दो संदेश देना चाहता है- (अ) बतौर अध्यापक, आपको अपनी सीमाओं का भान होना चाहिए, अपनी मोटी तनख्वाह लो, चुप रहो और कक्षा में 'राजनीति मत लाओ', वर्ना दंडात्मक कार्रवाई के लिए तैयार रहो। (ब) हमारे निगरानी तंत्र को हल्के में मत लो, वह निरंतर आप लोगों पर नज़र रखता है, आपका हर काम और हरकत उसे पता रहती है और जिन 'मार्क्सवादी अध्ययन परिधि' जैसे 'कट्टर मंचों' से आप जुड़े हैं, उसका भी ब्योरा हमारे पास है। वास्तव में, इन जुड़वां संदेशों से डर बैठाने का मनोवैज्ञानिक दबाव आगे जोर पकड़ेगा और अधिकांश शिक्षक 'बचकर रहो' वाला रवैया अपनाएंगे या कूटनीति से काम लेंगे या फिर अपनी खामोशी से प्रशासन को और ज्यादा निरंकुश बनने को उकसाएंगे। जब मैंने 1990 के दशक में अध्यापन का पेशा चुना था, तो मैं विश्वविद्यालय रूपी संस्था के उच्च आदर्शों से प्रेरित था। एक विश्वविद्यालय, जैसा कि मैं सोचता हूं, विद्यार्थियों और अध्यापकों का एक जीवंत और जिंदादिल समुदाय होना चाहिए, जहां दोनों साथ-साथ चलें; 'अध्यापन-शास्त्र' के मुताबिक सीखें और भूल सुधार करें; जहां अर्थपूर्ण अनुसंधान होता हो, जहां पर संस्कृति, राजनीति पर निरंतर बहस और संवाद चलता रहे, और एक न्यायपूर्ण एवं मानवीय दुनिया बनाने के लिए नाना प्रकार के विरोध करने के तौर-तरीकों पर विचार हो। शिक्षक मुक्त विचारों और आज़ादी भरे माहौल में फल-फूल सकें। मैं जानता हूं मेरे इस आदर्श का मजाक उड़ाया जाएगा और इन दिनों विश्वविद्यालयों के कर्ता-धर्ता बने बैठे 'तकनीकी-प्रशासक' इसको बकवास ठहराएंगे। कारण यह कि नव-उदारवाद का औजारी तर्क विश्वविद्यालयों को राजनीतिहीन बनाना चाहता है, बल्कि वे इन्हें एक ऐसे ब्रांड में तब्दील करना चाहते हैं, जो बाजार चालित 'उत्पादकता एवं दक्षता' वाले मंत्र से चले, छात्र एक 'उपभोक्ता' तो अध्यापक महज 'सेवा-प्रदाता' हो। इन परिस्थितियों में, अध्यापन-शास्त्र की उस भावना, जिसकी परिकल्पना पाओलो फ्रेरे और बेल हुक्स ने की थी, को बनाए रखना उत्तरोत्तर मुश्किल होता जाएगा। इसकी बजाय, उनके लिए एक अध्यापक या प्रोफेसर को 'मूल्य-निर्लेप' होना चाहिए। राजनीति उनके लिए भटकाव है, वे केवल शोधपत्र प्रकाशित करें, अपने दिमाग में बस 'प्रशस्ति पत्र सूची' और इसके 'प्रभाव अवयव' का गणित पाले रखें और विश्वविद्यालय की 'रैंकिंग' बढ़ाएं! वहीं विद्यार्थियों को केवल अपने 'उपयोगिता उद्देश्यों' के बारे में सोचना चाहिए। शायद, एसएयू भी इसी तर्क पर चल रहा है। कोई हैरानी नहीं कि जिन छात्रों ने आवाज़ उठाई थी उन्हें 'शरारती तत्व' की तरह लिया जा रहा है और चार शिक्षकों का निलंबन संकेत है कि यदि आप 'गड़बड़ी फैलाने' वाले विद्यार्थियों के साथ नज़र आए, तो मुश्किल में पड़ना तय है। एक प्रकार से, शिक्षकों का निलंबन अलहदा करके नहीं देखा जा सकता। इससे आगे, जैसा कि भारत एक प्रकार से निर्वाचित-अधिनायकवाद की ओर अग्रसर है, हमें 'बुद्धिजीवी-घृणा' वायरस से पैदा हुआ नए किस्म का संकट देखने को मिल रहा है। आप न तो आलोचनात्मक हो सकते हैं। न ही प्रशासनिक व्यवस्था से सवाल पूछ सकते हैं। विकास, राष्ट्रवाद और धर्म को लेकर जो घुट्टी बलाते ् पिलाई जाए, स्वीकार करें। आश्चर्य नहीं कि असहमति का हल्का-सा संकेत मिलने पर उसे आपराधिक माना जा रहा है! भारत में सब जगह विश्वविद्यालय प्रशासन जरूरत से ज्यादा सतर्क हो रहे हैं, किसी किस्म की वह गतिविधि, चाहे यह 'अध्यापन-शास्त्र सम्मत' क्यों न हो, कोई सांस्कृतिक या राजनीतिक गतिविधि, जो सत्तारूढ़ निजाम से सवाल करे या आलोचनात्मक विचारों को प्रोत्साहित करने वाली हो या फिर एकदम नयी जीवन-शैली हो, की इजाज़त नहीं है। मुझे लगता था कि एसएयू- जो कि दक्षेस राष्ट्रों की संयुक्त पहल है- गुणात्मक रूप से अलग किस्म की होगी। वास्तव में, मैं वहां कई अवसरों पर गया हूं, वहां बांग्लादेश, नेपाल, अफगानिस्तान और भारत के युवा विद्यार्थियों से हुआ संवाद बहुत संतोषप्रद रहा। खूब पढ़े और युवा अध्यापकों की उपस्थिति देखकर हर्ष हुआ। क्या एसएयू अपनी सार्वभौमिकता खोता जा रहा है, जो सरकार से मिले संकेतों पर किसी अन्य भारतीय विश्वविद्यालयों की भांति अमल करे। क्या वहां केवल सुविधाभोगी और गैर-राजनीतिक एवं व्यवसाय केंद्रित अध्यापक होने चाहिए या फिर परम राष्ट्रभक्त? निलंबित अध्यापकों के प्रति मेरी दिली सहानुभूति है। आगे चिंता यह है कि मोबाइल फोनधारी और सिर्फ अपनी धुन में अग्रसर भारतीय मध्य-वर्ग कोई जोखिम उठाने से झिझक रहा है और अपनी संकुचित चिंताओं में जीने को तरजीह दे रहा है- मेरी नौकरी, मेरा करिअर, मेरी सुरक्षा, मेरा परिवार, मेरी कार, मेरा अपार्टमेंट, मेरी किस्तें- ऐसे में गुंजाइश कम है कि निलंबित चार पीड़ितों को शेष शिक्षक बिरादरी से ठोस और टिकाऊ भावनात्मक एवं राजनीतिक सहायता मिल पाए। अपनी एकांगी लड़ाई में वे नुकसान भुगतेंगे- आर्थिक एवं मनोवैज्ञानिक। हालांकि, मुझे यकीन है कि जीवन में आया यह मोड़ उन्हें अधिक दृढ़-निश्चयी करेगा, अपने तर्क पर अड़े रहने की मजबूती देगा और निराशा भरे इस समय से उबरने वाला योद्धा बनने में मददगार होगा।

लेखक समाजशास्त्री हैं।

विचार मंथन

लेखक - सनत जैन

सर्वोच्च अदालत के अधिकार कम करने पर इजराइल में विद्रोह

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को न्यायिक सुधार बिल संसद से पास करा लिया है। विपक्ष ने इस बिल का संसद में बहिष्कार किया। सत्ता पक्ष ने मामूली बहुमत से बिल पास करा लिया। इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। इस बिल के पास होने के बाद पिछले 7 महीने से इजराइल में विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। विरोध प्रदर्शन अब काफी उग्र हो गया है। जैसे ही संसद से यह बिल पास हुआ। उसके तुरंत बाद इजराइल की मेडिकल एसोसिएशन ने 24 घंटे की हड़ताल कर अपना विरोध जताया। सेना के रिजर्व सैनिकों ने ड्यूटी पर आने से इंकार कर दिया। इजराइल में डॉक्टरों और इंटर्न की हड़ताल के बाद इजराइली सेना के 10,000 से ज्यादा रिजर्व डॉक्टरों ने भी ड्यूटी का बहिष्कार कर दिया है। इजराइली वायु सेना के 200 से ज्यादा पायलटों ने सरकार को इस्तीफे की धमकी दी है। उन्होंने कहा है कि हम तानाशाह के लिए काम नहीं कर सकते हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऊपर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे हैं। 2016 से इसकी जांच चल रही है। उससे बचने के लिए सरकार न्यायिक सुधार बिल लेकर आई। जिसमें सरकार को सर्वोच्चता पर रखा है। अदालतों के अधिकार कम कर दिए गए हैं। 2018 से लगातार जांच में व्यवधान पैदा किया जा रहा है। उनके ऊपर चार प्रकरणों में जांच हो रही है। जिसमें से एक प्रकरण में वह निर्दोष साबित हुए हैं। नेतन्याहू के ऊपर हॉलीवुड के प्रोड्यूसर को 2। 45 करोड रुपए के गिफ्ट लेकर फायदा पहुंचाने का आरोप है। इसी तरह से एक मीडिया समूह को फायदा पहुंचाने, कारोबारियों से महंगी गिफ्ट लेकर, उन्हें फायदा पहुंचाने तथा 2012 से 2017 के बीच में इजराइल के टेलीकॉम दिग्गज इलोविच और उनकी पत्नी की मदद करने और भारी फायदा पहुंचाने का आरोप नेतन्याहू के ऊपर है। जिसकी जांच पुलिस कर रही थी। भ्रष्टाचार के आरोपों से बचने के लिए प्रधानमंत्री नेतन्याहू न्यायपालिका के अधिकार कम करने में सफल हो गए हैं। अमेरिका ने नेतन्याहू को चेतावनी दी थी, कि इजरायल की संसद में जो भी कानून पास करे, यदि वह जनमत के विरोध में होंगे, तो राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इसका बहुत बड़ा असर होगा। अमेरिका और इजरायल के संबंधों में भी इसका असर पड़ेगा। बहुसंख्यक इजरायली नागरिक अमेरिका को अपना सबसे बड़ा दोस्त मानते हैं। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अमेरिका का मशवरा भी नहीं माना। उल्टे प्रधानमंत्री ने शांति प्रक्रिया को भंग करके टू स्टेट समाधान के रोड मैप को भी नकार दिया है। जिसके कारण स्थिति बड़ी विकराल हो गई है। इजराइल में गृह युद्ध की स्थिति बनना शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू की कैबिनेट में बैठे यहूदी प्रभुत्ववादियों के लिए वेस्ट बैंक के इजराइल में विलय करने से पहले, सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार भी बाधित करना जरूरी थे। चूँकी अब कानून संसद से पास हो गया है। इसके बाद से इजरायल के आंतरिक हालत बहुत खराब हैं। इसके साथ ही फलस्तीनी,जॉर्डन में विस्थापित होने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। ,आर्थिक और सामरिक दोनों ही स्थिति में इजराइल कमजोर होगा। संसद से कानून तो पास हो गया है। लेकिन इसके बाद से ही स्वास्थ्य कर्मी, पुलिस, सेना, वायुसेना के पायलट,अन्य संस्थाएं तथा लाखों की संख्या में जनता सरकार के विरोध में आकर सड़कों में आ गई है। 50 साल बाद इजराइल का लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है। 1973 में मिस्र और सीरिया की फौजों ने जब इजरायल पर हमला बोला था। उस समय अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने बड़े पैमाने पर इजराइल को हथियार उपलब्ध कराते हुए भारी सहायता दी थी। सारी दुनिया में एकमात्र यहूदी राष्ट्र को बचाने का काम अमेरिका ने किया था। लेकिन प्रधानमंत्री नेतन्याहू अब अमेरिका से ही भिढ़ने की मुद्रा में आ गए हैं। जिसके कारण इजराइल का भविष्य तानाशाही की ओर मुड़ चला है। इसराइल में लोकतंत्र समाप्ति की ओर है। जनता लोकतंत्र कायम करने एवं प्रधान नेतन्याहू की तानाशाही का विरोध करने पिछले 7 माह से भारी प्रदर्शन और हड़ताल कर रही है।

चुनौती

विद्यार्थी जीवन सपनों को उड़ान देता है

लेखक - विजय गर्ग

विद्यार्थी जीवन को मानव जीवन का स्वर्ण युग कहना गलत नहीं होगा। इस दौरान की गई मेहनत ही व्यक्ति के भावी जीवन की दिशा तय करती है। जो लोग छात्र जीवन में कड़ी मेहनत करते हैं वे जीवन में सफल मुकाम तक पहुंचने में सफल होते हैं, जबकि जो छात्र लापरवाह होते हैं वे जीवन भर भटकते रहते हैं। विद्यार्थी जीवन की सफलता केवल विद्यार्थी की कड़ी मेहनत पर निर्भर नहीं करती बल्कि इस दौरान प्राप्त मार्गदर्शन और अवसर भी बहुत महत्वपूर्ण होते हैं।जिन विद्यार्थियों को योग्य शिक्षक मिलते हैं वे विद्यार्थी स्वतः ही परिश्रमी बन जाते हैं। शिक्षक की प्रेरणा और मार्गदर्शन उनके लिए मार्गदर्शक बनता है। उसी प्रकार विद्यार्थी जीवन में सपनों की उड़ान भरने का अवसर भी विद्यार्थी के व्यक्तित्व पर सीधा प्रभाव डालता है। सिर्फ किताबी ज्ञान ही काफी नहीं है अगर आप घंटों लैपटॉप पर काम करते हैं तो हो सकती है ड्राई आई सिंड्रोम की समस्या, बचने के लिए खाएं ये चीजें विद्यार्थी जीवन में सफलता के लिए केवल किताबी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। इस अवधि में प्रैक्टिकल पर प्रयोग करेंज्ञान के अवसर विद्यार्थी की सीखने की प्रक्रिया को कई गुना तेज कर देते हैं और उसके व्यक्तित्व विकास पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। पुस्तक रूप में पढ़ाया गया ज्ञान विद्यार्थी के लिए अधूरे ज्ञान के समान होता है। यदि विद्यार्थी को उस ज्ञान को व्यवहारिक रूप में प्रयोग करने तथा प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर मिले तो विद्यार्थी का ज्ञान स्थाई हो जाता है। विद्यार्थी की कल्पना हकीकत में बदल जाती है। छात्र यह देखकर हैरान रह जाता है कि वह हकीकत में क्या सोच सकता था। उसे ऐसा लगता है कि उसकाकिताबों में दर्ज सारी जानकारी भी वास्तविक है. सरकार की ओर से प्रयास शुरू कर दिये गये हैं सरकारी स्कूलों के छात्र अक्सर शैक्षिक यात्राओं के मामले में पीछे रह जाते हैं क्योंकि सरकारी स्कूलों के निर्णय स्थानीय स्तर पर नहीं बल्कि राज्य स्तर पर सरकार द्वारा लिए जाते हैं। निजी संस्थान अपने निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं और वे अक्सर अपने छात्रों के लिए ऐसे प्रयास करते रहते हैं। सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को रचनात्मक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा कई पहल शुरू की गई हैं। शिक्षा विभागसरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को मिल रहे अवसर मिसाल बन रहे हैं। विभाग विद्यार्थियों को उन स्थानों पर ले जाकर यथार्थवादी ज्ञान प्रदान कर रहा है, जिसका अवसर शायद उनके शिक्षकों को नहीं मिला होगा। विद्यार्थियों को पंजाब विधानसभा के बारे में किताबों में दी गई जानकारी ही पढ़ाई जाती है, लेकिन मौजूदा सरकार ने विधानसभा के चल रहे सत्र के दौरान सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को विधानसभा में ले जाकर उनके ज्ञान को बढ़ाने का प्रयास किया है। चंद्रयान-3 कालॉन्च को करीब से देखने का मौका विज्ञान विषय में स्कूली विद्यार्थियों की रुचि दिन-ब-दिन कम होती जा रही है। सीनियर सेकेंडरी कक्षाओं में विज्ञान और अन्य विषयों के दाखिले में अंतर इस बात को साबित करने के लिए काफी है। विज्ञान विषय में विद्यार्थियों की रुचि बढ़ाने तथा विज्ञान विषय के ज्ञान को यथार्थ रूप में विद्यार्थियों को दिखाने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग ने सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को भारत के चंद्रयान के प्रक्षेपण को देखने का अवसर प्रदान किया। -3 करीब.. सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को विज्ञान क्षेत्रइसने देश के गौरवपूर्ण क्षणों का आनंद लेने और जानने का अवसर प्रदान किया। यह अवसर स्कूल शिक्षा विभाग के इतिहास में एक स्वर्णिम पृष्ठ बन गया है। चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग देखने के बाद इन छात्रों का स्वागत खुद मुख्यमंत्री भगवंत मान ने किया और छात्रों के अनुभव भी जाने. वहां के शीर्ष वैज्ञानिकों से मुलाकात से छात्रों के मन में विज्ञान के क्षेत्र में जाने की इच्छा जरूर पैदा होगी। शैक्षिक यात्राओं का महत्व विद्यार्थी के पुस्तकीय स्वरूप को सैद्धांतिक ज्ञान में परिवर्तित करने के लिए शैक्षिक यात्राएँ बहुत महत्वपूर्ण हैं। यहइसके महत्व को देखते हुए शिक्षण संस्थानों द्वारा विद्यार्थियों के लिए धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों की शैक्षिक यात्राएं आयोजित की जाती हैं। शैक्षिक यात्राओं के दौरान छात्रों को यात्रा शुरू होने से पहले उस स्थान या घटना के बारे में विस्तृत जानकारी देना बहुत जरूरी है। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में सफलता मिलेगी सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के सपनों को उड़ान देने के ये प्रयास अवश्य ही उज्ज्वल भविष्य के निर्माण का कारण बनेंगे। विद्यार्थियों द्वारा काल्पनिक रूप में पुस्तकप्राप्त किया गया ज्ञान सदैव उनकी स्मृतियों में रहेगा। प्रदेश के युवा निश्चित ही ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे।

(सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब)

उन्नाव में गंगा में डूबे तीन दोस्त

दो को बचा लिया गया, एक किशोर की डूबने से मौत, तीनों नहाने गए थे

उन्नाव । गंगा नदी में नहाते समय तीन दोस्त डूब गए। इसमें से दो को सुरक्षित बचा लिया गया, लेकिन तीसरे की गहरे पानी में जाने से मौत हो गई। काफी देर बाद गोताखोरों ने तीसरे किशोर के शव को बाहर निकाला। बेटे की मौत के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अंबरपुर निवासी सुनील पाल का 16 वर्षीय बेटा शोभित घर से कोचिंग जाने की बात कहकर निकला। इसके बाद वह अपने सहपाठी बिंदा नगर निवासी साथी दोस्त राज (15) व महेश खेड़ा निवासी रितिक (13) के साथ

रेलवे पुल के पास गंगा नदी में नहाने के लिए चला गया। गंगा नहाने के दौरान तीनों गंगा में डूबने लगे। यह देख तट पर मौजूद गोताखारों ने किसी तरह रितिक और राज को बाहर निकाल लिया। लेकिन शोभित गहरे पानी में चला गया। जिससे वह डूब गया। छात्रों ने इसकी जानकारी परिजनों को दी। शोभित के पिता सुनील, मां रमाकांती, बहन शिवानी, अंकिता, कामिनी व छोटा भाई प्रशांत मौके पर पहुंचे। छात्र के डूबने की जानकारी कोतवाली पुलिस को दी गई।कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत सिंह ने गोताखोरों को बुलाकर उसे ढूंढवाया। काफी देर बाद शोभित का शव गंगा से बाहर निकलवाया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। 1 जुलाई 2023 से अब तक शुक्लागंज पुल के नीचे गंगा घाट पर 6 लोगों की डूबने से मौत हो गई है। इसमें मीरपुर छावनी निवासी मोहतसिम (18), अजगैन के सिंदुरिया निवासी राहुल (22), इस्लाम नगर के अर्शलान और रेहान, कानपुर कर्नलगंज निवासी कल्लन (35) व अंबरपुर निवासी शोभित के नाम शामिल हैं। आस पास के लोगों ने बताया कि इस समय गंगा उफान पर हैं।

संक्षिप्त डायरी

टाउनशिप का निर्माण करने वाले निजी डेवलपर्स को मिलेंगे इंसेंटिव्स

संवाददाता

लखनऊ । नई टाउनशिप पॉलिसी 2023 के तहत निवेश करने वाले निजी विकासकताओं को योगी सरकार विभिन्न तरह के इंसेंटिव्स प्रदान करेगी। ऐसे विकासकताओं को सबसे बड़ी राहत भू-उपयोग परिवर्तन शुल्क में मिलेगी। 5 लाख से अधिक और 10 लाख से कम आबादी वाले नगरों में टाउनशिप बनाने पर भू- उपयोग परिवर्तन शुल्क में 25 प्रतिशत, जबकि 5 लाख से कम आबादी वाले नगरों में 50 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में शहरीकरण की नई चुनौतियों को देखते हुए समाज के विभिन्न वर्गों को अफोर्डेबल हाउसिंग मुहैया कराने, शहरों के पेरीफेलर क्षेत्रों में अव्यवस्थित विकास को नियंत्रित करने, शहरी नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के साथ ही निवेश जुटाने के लक्ष्य के साथ योगी सरकार ने इस नीति का निर्धारण किया है। नीति के तहत टाउनशिप के विकास के लिए निजी विकासकर्ता पात्र होंगे। नीति के अनुसार, टाउनशिप का क्षेत्रफल 50 एकड़ से कम होने पर केवल आवासीय उपयोग में ही अनुमति प्रदान की जाएगी। वहीं, टाउनशिप का क्षेत्रफल 50 एकड़ या इससे अधिक होने पर कृषि उपयोग में भी अनुमति प्रदान की जाएगी, जिसके लिए नियमानुसार आवासीय में भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही की जाएगी। आवासीय के अतिरिक्त अन्य उपयोग की भूमि भी योजना में सम्मिलित होने की दशा में महायोजना मार्गों की भूमि को छोड़कर बाकी उपयोगों की भूमि को 'स्वैपिंग किया जाना अनुमन्य होगा, जिसके लिए भू-उपयोग परिवर्तन शुल्क देय नहीं होगा। भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्द्धन व आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा जारी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति (एफडीआई पॉलिसी) के अनुसार प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सुविधा भी अनुमन्य होगी। इसके अतिरिक्त, परियोजना से संबंधित विभिन्न स्वीकृतियों के लिए ग्रीन चैनल की व्यवस्था की जाएगी जिसके अंतर्गत समस्त स्वीकृतियां, अनापत्तियां 'सिंगल विंडो सिस्टम' के माध्यम से निर्गत की जाएंगी। टाउनशिप के क्षेत्रफल में विस्तार अनुमन्य होगा, जिसकी स्वीकृति उपाध्यक्ष या आवास आयुक्त स्तर से देय होगी। लाइसेंस निर्गमन एवं ले-आउट प्लान अनुमोदन की सरलीकृत प्रक्रिया निर्धारित है तथा कार्यवाही के लिए उपाध्यक्ष, आवास आयुक्त अधिकृत होंगे। विकासकर्ता को एक ही विकास क्षेत्र में एक से अधिक लाइसेंस प्राप्त करने तथा एक से अधिक कंसोर्शियम में सदस्य बनने की सुविधा अनुमन्य होगी। लाइसेंस एरिया के अंतर्गत विकास, निर्माण संबंधी पूर्ण अधिकार केवल डेवलपर, कंसोर्टियम को होंगे। यानी लाइसेंस के लिए प्रस्तावित क्षेत्र में लाइसेंसधारक विकासकर्ता, कंसोर्टियम के अतिरिक्त किसी अन्य भू-स्वामी या आवेदक द्वारा प्रस्तुत मैप को प्राधिकरण, आवास एवं विकास परिषद द्वारा स्वीकृत नहीं किया जाएगा तथा शासकीय अभिकरणों द्वारा क्षेत्र में अनधिकृत विकास, निर्माण को भी नियंत्रित किया जाएगा। इसके साथ ही टाउनशिप हेतु लैंड असेंबली के लिए विकासकर्ता, कंसोर्टियम द्वारा भू-स्वामियों, किसानों से लैंड पूलिंग एग्रीमेंट तथा डेवलपर एग्रीमेंट कर सकेगा।

सिलाई ट्रेनिंग कैंप में 25 महिलाओं ने किया प्रतिभाग

संवाददाता

नूरपुर। ग्राम पुरैनी दुर्गेशपुर विकासखंड नूरपुर में मंडलीय ग्राम उद्योग प्रशिक्षण केंद्र नजीबाबाद की ओर से ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया। ट्रेनिंग कैंप में महिलाओं को स्वमलामंभी बनने के लिए सिलाई सीखा मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया गया ट्रेनिंग कैंप में 25 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। बिजनौर के ब्लॉक नूरपुर के गांव पुरानी दुर्गेश पुर में मंडली ग्राम उद्योग प्रशिक्षण केंद्र नजीबाद की ओर से ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया। ट्रेनिंग कैंप का उद्घाटन प्राचार्य सोमप्रकाश ने फीता काटकर किया। ट्रेनिंग कैंप में प्रशिक्षण ले रही 25 महिलाओं को कैंप द्वारा संबंधित सामान जैसे कपड़ा धागा सुई प्रोजेक्ट फाइल आदि उपलब्ध कराई गई। प्राचार्य सोमप्रकाश ने बताया कि यह कैंप 15 दिन चलेगा जो पूरी तरह से निशुल्क है ।और मंडलीय ग्राम उद्योग प्रशिक्षण केंद्र नजीबाबाद की ओर से अलग-अलग जगह पर कैंप लगाए जाते हैं। और कैंप के जरिए महिलाओं को विभागीय और सामाजिक जानकारियां दी जा रही है। इस अवसर पर विशेष अतिथि नरेंद्र सिंह सहायक बाट निस्ट ग्रामोउद्योग,नौशाद हसन मीडिया प्रभारी,शहजाद हुसैन एडवोकेट समाजसेवक, और प्रशिक्षण प्राप्त कर रही मोनिका रानी, आरती रानी ,उमा रानी ,मधु रानी, नेहा रानी, राखी देवी, मीनाक्षी देवी, आदि उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की ट्रेनिंग कल्पना शर्मा द्वारा दी जा रही है

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत

पीलीभीत । देर रात से लापता एक युवक का शव गांव के बाहर प्राथमिक विद्यालय के सामने मिलने से हड़कंप मच गया है। परिजनों की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद परिवार के लोग युवक की हत्या किए जाने की आशंका जता रहे हैं। पूरा मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के खपरैल गोटिया गांव का बताया जा रहा है। जहां गांव के रहने वाले मंगलसेन के 24 वर्षीय पुत्र दिनेश कुमार मंगलवार सुबह घर से मजदूरी पर जाने की बात कहकर निकला था, देर रात तक जब युवक घर वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन युवक का कोई सुराग नहीं लग पाया। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने प्राथमिक विद्यालय के सामने युवक का शव पड़ा देखा और पूरे मामले की सूचना परिजनों को दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे परिजन युवक के शव को देखकर बेसुध हो गए सूचना मिलने के बाद शहर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। वह मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

वैश्विक मंच पर दुनिया ने किया था भारत की सैन्य ताकत का अहसासः सीएम योगी

● मुख्यमंत्री ने कारगिल में शहीद हुए योद्धाओं को दी श्रद्धांजलि ● कारगिल शहीदों के परिजनों को भी किया सम्मानित ● बोले- नए भारत में हर नागरिक को सुरक्षा की गारंटी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कारगिल युद्ध विषम परिस्थितियों में लड़ा गया था। मई 1999 में प्रारंभ हुआ यह युद्ध 26 जुलाई को औपचारिक कारगिल विजय दिवस के रूप में घोषित कर घुसपैठिए पाकिस्तानी सैनिकों को भारत की धरती से खदेड़ने में हमें सफलता प्राप्त हुई थी। वैश्विक मंच पर दुनिया ने एक बार फिर से भारत की सैन्य ताकत का अहसास किया था। 1999 में कारगिल, इसके पूर्व के सभी युद्धों व इसके उपरांत भी सीमाओं की रक्षा करने वाले भारत मां के वीर सपूतों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के सदस्यों का अभिनंदन करता हूं, जो परिवार के सदस्यों को खोने के बाद भी मातृभूमि के प्रति बिना डिगे, बिना झुके इसे निरंतर बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री बुधवार को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। सीएम ने कारगिल में शहीद हुए योद्धाओं की प्रतिमा के सम्मुख

पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही पूरे प्रदेशवासियों को कारगिल विजय दिवस की बधाई दी। सीएम ने कहा कि आज नए भारत में हम पीएम मोदी के नेतृत्व में कार्य कर रहे हैं। यह नया भारत, जिसमें हर नागरिकों को सुरक्षा की गारंटी है। जिस भारत में आतंकवाद, नक्सलवाद व घुसपैठ की जगह नहीं है। हर व्यक्ति को समान रूप से जीवन जीने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। देश के विकास के लिए न केवल केंद्र व राज्य सरकारें, बल्कि प्रत्येक नागरिक अपने स्तर पर कार्य करते हुए लोक कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उन सभी तबके तक पहुंच रहे हैं, जो आजादी के बाद उपेक्षित थे। सीएम ने कहा कि देश की आंतरिक व वाह्य सुरक्षा के लिए भारत मां के सपूतों का बलिदान अमूल्य है। हम सभी के लिए अविस्मरणीय व राष्ट्र के लिए अभिनंदनीय है, लेकिन प्रदेश सरकार ने उनके परिवारजनों के प्रति सम्मान का भाव प्रकट करते हुए देश या आंतरिक सुरक्षा में शहीद होने वालों के परिजनों को 50 लाख रुपये व एक सदस्य को उप्र शासन में सेवा का अवसर देने व उनके नाम पर कोई संस्था, मार्ग का नामकरण की व्यवस्था छह वर्ष में लागू की है। सीएम ने बताया कि कैप्टन मनोज पांडेय के नाम पर देश के पहले सैनिक स्कूल का नामकरण किया गया। मेजर आदित्य मिश्रा, मेजर रितेश शर्मा, लांस नायक केवलानंद द्विवेदी, लांस नायक सुनील जंग के परिवार वालों का अभिनंदन करता हूं। सीएम ने कहा कि यदि हम नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अपने-अपने क्षेत्रों में कार्य करते हैं तो भारत आदरणीय पीएम के विजन के अनुरूप 2047 में दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में स्थापित होगा। इस दौरान प्रदेश सरकार के वित्त व संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, नगर विकास व ऊर्जा मंत्री एके शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक नीरज बोरा, योगेश शुक्ल, जय देवी, अमरेश कुमार, एमएलसी मुकेश शर्मा, रामचंद्र प्रधान, अवनीश सिंह आदि मौजूद रहे। अमर शहीदों के परिजनों को सीएम ने किया सम्मानित 1- परमवीर चक्र विजेता मनोज पांडेय के पिता गोपीचंद पांडेय 2- अमर शहीद मेजर रितेश शर्मा के पिता सत्यप्रकाश शर्मा 3- लांस नायक केवलानंद द्विवेदी की पत्नी कमला द्विवेदी

4- अमर शहीद राइफलमैन सुनील जंग की मां वीना महत।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौतः ट्रेन से उतरते समय पैर फिसला

बिजनौर । स्योहारा इलाके में ट्रेन की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मामला बिजनौर के स्योहारा थाना क्षेत्र का है। जहां के हयात नगर के रहने वाले अरमान का 20 वर्षीय बेटा चंडीगढ़ में रहकर काफी दिनों से काम करता है। बताया जा रहा है कि देर रात समीर ट्रेन वापस अपने घर आ रहा था। जैसे ही वह लगभग ढाई बजे स्योहारा पहुंचा तभी ट्रेन से उतरते समय उसका ट्रेन से पैर फिसलने के चलते उसकी ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। युवक की मौत की खबर जैसे क्षेत्र के लोगों को मिली। दर्जनों लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई।

मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबन्धन कार्यों की समीक्षा की

● सभी जनपदों में इमरजेंसी ऑपरेशन सेण्टर स्थापित किए गए, इन्हें सेफ सिटी के अन्तर्गत आई0सी0सी0सी0 से इंटीग्रेटेड किया जाए ● आगामी तीन माह में सभी 75 जनपदों में अर्ली वॉर्निंग सिस्टम लगाए जाएं ● सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों में पब्लिक एड्रेस सिस्टम स्थापित करें, पब्लिक एड्रेस सिस्टम को अर्ली वॉर्निंग सिस्टम से जोड़ा जाए ● आपदा प्रबंधन कार्य में संलग्न कार्मिकों के बेहतर प्रशिक्षण के लिए एक सेण्टर स्थापित किया जाए ● जनपद बरेली और झांसी में एन0डी0आर0एफ0 के रीजनल रिस्पॉन्स सेण्टर की स्थापना की जानी है ● उ0प्र0 सर्वाधिक आपदा मित्रों वाला राज्य, इनके प्रशिक्षण की कार्यवाही तेजी से पूरी की जाए ● आपदा के समय क्या करें-क्या न करें के सम्बन्ध में जन-जागरूकता को और बढ़ाया जाए

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर आपदा प्रबन्धन कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने राष्ट्रीय आपदा मोचक बल (एन0डी0आर0एफ0) और राज्य आपदा मोचक बल (एस0डी0आर0एफ0) के बीच परस्पर समन्वय के साथ प्रदेश में आपदा प्रबन्ध के कार्यों को और प्रभावी बनाने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आपदाकाल में राहत कार्यों के लिए योग्य एवं कुशल कार्मिकों की उपलब्धता प्राथमिक आवश्यकता है। जितने दक्ष कार्मिक होंगे, राहत कार्य उतना ही अधिक प्रभावी होगा। ऐसे में प्रदेश में आपदा प्रबंधन कार्य में संलग्न कार्मिकों के बेहतर प्रशिक्षण के लिए एक सेण्टर स्थापित किया जाना आवश्यक है। इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही की जाए। इस कार्य में एन0डी0आर0एफ0 से भी सहयोग लिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बरसात के मौसम में आकाशीय बिजली/वज्रपात के कारण होने वाली जनहानि को न्यूनतम करना एक बड़ी चुनौती है। वर्ष 2022-23 में 52 जनपदों में 301 लोगों की असमय मृत्यु हुई, जबकि 2023-24 में अब तक 36 जनपदों में 174 जनहानि की दुःखद सूचना मिली है। इसे हर हाल में रोकना होगा और तकनीक की मदद से ऐसा किया जा सकता है। इस दिशा में बिना विलम्ब प्रभावी प्रयास किये जाएं। मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित करते हुए कहा कि आगामी तीन माह में सभी 75 जनपदों में अर्ली वॉर्निंग सिस्टम लगाए जाएं। आज तकनीक इतनी बेहतर हो चुकी है कि आकाशीय बिजली गिरने का तीन से चार घण्टे पहले पता लगाया जा सकता है और एक घण्टे पूर्व सटीक स्थान की जानकारी मिल सकती है। यदि समय से लोगों को जानकारी मिल जाए, तो जन-धन की हानि नहीं होगी। भारत सरकार द्वारा विकसित कराए गए दामिनी एप, मेघदूत जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का भी अधिकाधिक प्रचार-प्रसार किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सभी जनपदों में इमरजेंसी ऑपरेशन सेण्टर स्थापित किए गए हैं। इन्हें सेफ सिटी के अन्तर्गत आई0सी0सी0सी0 से इंटीग्रेटेड किया जाना चाहिए। सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों में क्रियाशील पब्लिक एड्रेस सिस्टम को स्थापित कराएं। पब्लिक एड्रेस सिस्टम को अर्ली वॉर्निंग सिस्टम से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आपदाकाल में एन0डी0आर0एफ0 व एस0डी0आर0एफ0 के कार्मिकों ने सेवा और दक्षता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। जनपद लखनऊ में एन0डी0आर0एफ0 मुख्यालय भवन क्रियाशील है। जनपद बरेली और झांसी में एन0डी0आर0एफ0 के रीजनल रिस्पॉन्स सेण्टर की स्थापना की जानी है। इसके लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आपदाकाल में आपदा मित्रों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उत्तर प्रदेश सर्वाधिक आपदा मित्रों वाला राज्य है। जिन जनपदों में अभी तक इनकी तैनाती नहीं है, वहां इन्हें तत्काल तैनात किया जाए। इनके प्रशिक्षण की कार्यवाही भी तेजी से पूरी की जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रथम राज्य है, जहां आपदा राहत वितरण हेतु एंड-टू-एंड कम्प्यूटराइज्ड रिलीफ मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया गया है। इससे लाभार्थी के चयन से लेकर, डिजिटल अप्रूवल तथा खाते में धनराशि हस्तान्तरित करने तक की पूरी प्रक्रिया पेपरलेस हो गई है। राहत वितरण में पारदर्शिता के साथ-साथ समयबद्धता भी सुनिश्चित हो गई है। इसे और उपयोगी बनाने का प्रयास किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बाढ़ आदि आपदाओं की स्थिति में बचाव कार्य में लगे कार्मिकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। बारिश/बाढ़ में छोटी नौकाओं का प्रयोग न हो। नौकाओं में लाइफ जैकेट जैसे सुरक्षा प्रबंध अवश्य हों। बाढ़, भूकम्प, आकाशीय बिजली इत्यादि आपदाओं के समय ह्यक्या करें-क्या न करेंह्न के सम्बन्ध में जन-जागरूकता को और बढ़ाया जाए। स्कूलों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, एन0सी0सी0, एन0एस0एस0, स्काउट गाइड आदि स्वयंसेवकों को आपदा राहत कार्यों के बारे में जागरूक किया जाए। प्रायः ग्रामीण क्षेत्रों में नदी, पोखरों, तालाबों में बच्चों के डूब कर काल-कवलित होने की दुःखद घटनाएँ होती हैं। इसे रोकने के लिए जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। इस दिशा में कार्य किये जाएं।

रोहिणी सेक्टर 24 में धंसी सड़क बाइक सहित गिरे युवक को निकाला गया

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के बेगमपुर थाना अंतर्गत रोहिणी सेक्टर 24 में सुबह अचानक सड़क धंस गई। घटना में एक बाइक सवार उसमें जा गिरा। इसके बाद उसे काफी कोशिश के बाद बाहर

निकाला गया। बताया गया कि उसका नाम हसन (30) है और वह रंग रोगन का काम करता है।

जानकारी के अनुसार, हसन रोजाना की तरह रोहिणी सेक्टर 24 स्थित दुकान पर पहुंचा था। जैसे ही उसने अपनी बाइक खड़ी की, वहां जमीन धंस गई और बाइक और वह उस गड्ढे में गिर गया। इसके बाद आस पास के लोगों ने बड़ी मुश्किल से आस पास के लोगों की सहायता से हसन को बाहर निकालकर अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी गई और काफी मशक्कत के बाद बाइक को बाहर निकाला गया।

राघव चड्ढा ने संजय सिंह के निलंबन को बताया गैरजरूरी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने अपने सहयोगी सांसद संजय सिंह को निलंबित किए जाने के मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि संसद में शायद ही कभी ऐसा हुआ होगा जब देश के एक बेहद ज्वलंत मुद्दे पर सवाल करने पर किसी राज्यसभा सदस्य को निलंबित किया गया है। उन्होंने कहा कि किसी भी संसद सदस्य का पूरे सत्र के लिए निलंबन विशेष परिस्थिति में किया जाता है। ऐसा तब किया जाता है, जब उस सांसद ने संसद के भीतर कोई हिंसक कार्य किया हो या उसने संसद का कोई प्रस्ताव फाड़कर सभापति की कुर्सी की ओर फेंका हो या फिर उसने अपनी किसी गतिविधि से संसद की गरिमा को ठेस पहुंचाई हो। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे राज्यसभा सदस्य संजय सिंह को सिर्फ सभापति की कुर्सी के पास जाकर सवाल करने के लिए पूरे सत्र से निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर की घटना सिर्फ एक राज्य का मसला नहीं है बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है। इसलिए इस मुद्दे पर संसद में वृहद और विशेष चर्चा कराने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि मणिपुर में हो रही हिंसा का बुरा प्रभाव अब आसपास के राज्यों पर भी पड़ने लगा है। आज मिजोरम में भी मणिपुर की तर्ज पर एक घटना घटी, जहां एक विशेष समुदाय के लोगों पर हमला किया गया और उन्हें राज्य छोड़कर बाहर जाने को कहा गया। अगर इस मामले का जल्द समाधान नहीं किया गया तो यह पूरे नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों के लिए खतरा बन सकता है।

मकान का छज्जा गिरा, दो की मौत

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के पंजाबी बाग इलाके में एक मकान का छज्जा गिर गया। हादसे में एक महिला और तीन साल का बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान ममता (30) व तीन साल के बच्चे के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के

लिए शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस के मुताबिक मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे सूचना मिली कि पंजाबी बाग के अरिहंत नगर स्थित एक मकान का छज्जा गिर गया है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से मलबे में दबे दो लोगों को बाहर निकाल कर तुरंत अस्पताल पहुंचाया। घटना के संबंध के बारे में पूछे जाने पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महिला मकान की देखरेख का काम करती थी। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है।

मुखर्जी नगर में कोचिंग सेंटर को बंद करने का दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया आदेश

-बिना फायर अनापत्ति प्रमाण पत्र के चल रहे कोचिंग सेंटर में 15 जून को लगी थी आग

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली के मुखर्जी नगर में 15 जून को कोचिंग सेंटर में लगी आग पर सख्त रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने बिना फायर अनापत्ति प्रमाण पत्र के चल रहे कोचिंग सेंटर को बंद करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस, दिल्ली फायर सर्विसेज और दिल्ली नगर निगम से 10 अक्टूबर तक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने 16 जून को इस घटना पर स्वतः संज्ञान लिया था। हाईकोर्ट ने इस मामले में दिल्ली फायर सर्विसेज, दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस और दिल्ली नगर निगम को नोटिस जारी किया था। हाईकोर्ट ने फायर सर्विस अथॉरिटी को आडिट करने का निर्देश देते हुए यह पता लगाने को कहा था कि अथॉरिटी ये पता लगाएं कि ऐसी इमारतों के पास फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट हैं या नहीं। मुखर्जी नगर में 15 जून को कोचिंग सेंटर में आग लग गई, जिसके बाद मची अफरातफरी के बाद छात्रों ने रस्सी के सहारे उतरकर अपनी जान बचाई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस मामले में मुखर्जी नगर थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 336, 337, 338, 120बी और 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

दिल्ली सरकार के खिलाफ भाजपा का विशाल प्रदर्शन

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच सियासी जंग लगातार जारी है। अब दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने आम आदमी पार्टी के कार्यालय के बाहर विशाल प्रदर्शन किया। भाजपा का यह प्रदर्शन आंध्र भवन के पास किया गया। यह प्रदर्शन केजरीवाल सरकार की विफलताओं के विरोध में किया गया है।

वहीं विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा के कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है। इस दौरान पुलिस ने वाटर कैनन का भी प्रयोग किया है।

जानकारी के अनुसार भाजपा के कार्यकर्ता 'आप' के ऑफिस की तरफ बैरिकेडिंग तोड़कर जा रहे थे, इस दौरान दिल्ली पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच झड़प

हुई। इस विशाल प्रदर्शन में वीरेंद्र सचदेवा, नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए। सुप्रीम कोर्ट ने आरटीजीएस रीजनल रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम के लिए दिल्ली सरकार को अविलंब 415 करोड़ रुपए भुगतान करने को कहा। इसी के बाद दिल्ली सरकार के खिलाफ भाजपा प्रदर्शन कर रही है। भाजपा का कहना है कि मेट्रो के लिए केजरीवाल के पास पैसा नहीं है, लेकिन विज्ञापन के लिए पैसा है। वीरेंद्र सचदेवा ने प्रदर्शन के दौरान 'आप' सरकार के खिलाफ चार्जशीट पेश करते हुए दिल्ली की बदहाली के लिए केजरीवाल को कटघरे में खड़ा किया है।

दिल्ली के लिबासपुर स्थित प्लास्टिक फैक्टरी में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के समयपुर बादली स्थित लिबासपुर की एक प्लास्टिक फैक्टरी में सोमवार दोपहर आग गई। धीरे धीरे आग ने फैक्टरी के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की 13 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाना शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे में आग पर काबू पाया। इस दौरान फैक्टरी के अंदर काम करने वाले चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें जहांगीरपुरी स्थित बाबू जगजीवन राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि हादसे में घायल हुए चारों लोग खतरे से बाहर हैं लेकिन उनका इलाज जारी है। गनीमत रही कि आग लगने के तुरंत बाद लोग समय रहते निकल गए वरना अन्य ये लोग भी चपेट में आ सकते थे। दमकल विभाग के अनुसार सोमवार दोपहर करीब एक बजे सूचना मिली कि लिबासपुर स्थित एक फैक्टरी में आग लग गई है। सूचना मिलते ही एक-एक कर दमकल की 13 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। फिलहाल समयपुर बादली थाना पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री ने पुराने लोहे वाले पुल के निकटवर्ती बाढ़ राहत शिविरों का दौरा किया

नई दिल्ली। दिल्ली में फिर से यमुना का जलस्तर बढ़ने के कारण दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शाहदरा जिले में पुराने लोहे वाले पुल के निकटवर्ती इलाकों में बनाए गए बाढ़ राहत शिविरों का सघन निरीक्षण किया। इस अवसर पर राजस्व विभाग, दिल्ली पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, एमसीडी, वन विभाग, पीडब्लूडी, आईएन्डएफसी और पशुपालन आदि विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। सभी मौजूदा अधिकारियों को सामान्य स्थिति आने तक राहत और बचाव कार्य के लिए राहत शिविरों में रहने, खाने-पीने, शौचालय और मेडिकल सहित सभी जरूरी सुविधाएं जारी रखने के निर्देश दिए गए। राहत शिविर में लोगों को फ्री राशन और खाने का सामान भी बांटा गया। साथ ही पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि वर्तमान में यमुना का जलस्तर धीरे धीरे नीचे आता दिखाई दे रहा है और यदि

हथिनीकुंड से पानी फिर न छोड़ा गया तो यमुना के शाम तक खतरे के निशान से नीचे आने के आसार है। राहत शिविरों का जायज़ा लेने के बाद गोपाल राय ने बताया की हथिनीकुंड बैराज से फिर से लाखों क्यूसेक पानी छोड़े जाने के कारण एक बार फिर नदी खतरे के निशान को पार कर गई थी। इसी के चलते आज हमने शाहदरा जिले के पुराने लोहे वाले पुल के पास स्थित राहत शिविर का जायज़ा लिया। आज सुबह तक यमुना नदी का जल स्तर खतरे के निशान पर था लेकिन अब धीरे धीरे पानी नीचे उतर रहा है और यदि हथिनीकुंड से पानी फिर न छोड़ा गया तो यमुना के शाम तक खतरे के निशान से नीचे आने के आसार है, लेकिन ऐसे में सरकार के रूप में हमारी जिम्मेदारी है की हम हर खतरे से दिल्लीवासियों को बचाने के लिए तत्पर रहे। इससे प्रभावित होने वाले लोगों की मदद करें और उन्हें हर जरूरी सुविधाएं मुहैया करवाएं। इस अवसर पर पशुपालन विभाग को सभी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फंसे पशुओं के पुनर्वास, उनके लिए दवाई और टीका की व्यवस्था के निर्देश दिए गए। साथ ही राहत शिविर में नियमित रूप से पर्याप्त पशु चारा भी उपलब्ध कराने और मेडिकल टीम को बाढ़ राहत शिविर में मवेशियों की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने का भी निर्देश दिया गया। राय ने बताया कि हमारी कोशिश है कि हम नियमित रूप से ग्राउंड लेवल जानकारी लेने और आवश्यक बचाव, राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए सम्बंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय के लिए कार्य करें ताकि इन बाढ़ राहत शिविरों में रहने वाले लोगों को किसी तरह की भी परेशानी का सामना न करना पड़े।

हर घर को साफ-स्वच्छ पानी पहुंचाने के मिशन में वॉटर-एटीएम का प्रयोग कर रही दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार दिल्ली में हर घर तक साफ पहुंचाने के लिए विभिन्न स्तरों पर मिशन मोड में काम कर रही है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए जगह-जगह आरओ एटीएम भी लगाए जा रहे हैं। सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मायापुरी फेस दो के खजान बस्ती में आरओ एटीएम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली के हर घर तक साफ-स्वच्छ पानी पहुंचाने के मिशन में हम वॉटर-एटीएम जैसा अनूठा प्रयोग भी कर रहे हैं। जहां-जहां हमें टैंकर से पानी देना पड़ता है, वहां हम वॉटर-एटीएम शुरू करेंगे। अमीर लोगों की तरह अब दिल्ली के गरीब लोग भी आरओ का साफ पानी पिया करेंगे। दिल्ली में पायलट प्रोजेक्ट के तहत खजान बस्ती के अलावा शकुरबस्ती, कालका और झरोदा में आरओ प्लांट शुरू हो चुके हैं। आने वाले दिनों में इस तरह के करीब 500 आरओ प्लांट लगाए जाएंगे। हर व्यक्ति को वॉटर एटीएम कार्ड दिया जाएगा, जिसकी मदद से वो प्रतिदिन 20 लीटर फ्री पानी ले सकेगा। इस दौरान जल मंत्री सौरभ भारद्वाज, डीजेबी के उपाध्यक्ष सोमनाथ भारती और स्थानीय विधायक राजकुमार ढिल्लों समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में कई इलाके ऐसे हैं, जहां बहुत ज्यादा घनी आबादी है। कई इलाकों में टैंकर से नियमित रूप से पानी की आपूर्ति की जाती है। कई कारणों की वजह से ऐसे इलाकों में पानी की पाइप लाइन नहीं डाली जा सकती। ऐसे इलाकों में पानी की पर्याप्त आपूर्ति के लिए हमने तकनीक का इस्तेमाल कर नया तरीका निकाला है।इसके तहत हम जिन इलाकों में भू-जल स्तर ऊंचा होगा, वहां पर ट्यूबवेल लगाएंगे। दिल्ली के कई इलाकों में भू-जल की गुणवत्ता बहुत अच्छी नहीं है। ट्यूबवेल से इस पानी को निकालेंगे और आरओ से उसकी सफाई करेंगे। इसके बाद आरओ का पानी लोगों को दिया जाएगा। इसके लिए लोगों को वाटर एटीएम (कार्ड) जारी किया गया है। इस वाटर एटीएम की मदद से प्रति व्यक्ति 20 लीटर पानी प्रतिदिन ले सकता है। प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 20 लीटर पानी काफी होता है।

दिल्ली के जल मंत्री सौरभ भारद्वाज ने ट्वीट कर कहा कि हरिनगर के खजान बस्ती मायापुरी में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ वॉटर एटीएम प्लांट का शुभारंभ किया। दिल्ली में जिन इलाकों में पानी की लाइन नहीं पहुंच पाती है, उस जगह पर दिल्ली सरकार ट्यूब बेल के जरिये पानी का आर.ओ प्लांट लगाकर स्थानीय जनता को साफ़ व शुद्ध पानी उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि खजान बस्ती के प्लांट में एक कार्ड के जरिए हर रोज 20 लीटर पानी लिया जा सकता हैं। अब तक इस तरह से पूरी दिल्ली में चार वाटर एटीएम लगे हैं, 500 एटीएम दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में लगने हैं। अब तक 2500 कार्ड दिए जा चुके हैं। वहीं, दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सोमनाथ भारती ने ट्वीट कर कहा कि जो कहां सो किया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली में 93 फीसद इलाकों में दिल्ली जल बोर्ड की लाइनें बिछा दी गई हैं। बाकी सात फीसद में वे इलाके हैं, जो बहुत घने हैं और पानी की लाइन बिछाना बहुत मुश्किल है। उन इलाकों के लिए आरओ प्लांट के जरिए शुद्ध पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।

ग्रेटर नोएडा में सौ साल की महिला को परिवार के साथ किया गया रेस्क्यू

ग्रेटर नोएडा। यमुना नदी के बाद लगातार हिंडन जलस्तर भी बढ़ रहा है जिसके कारण ग्रेटर नोएडा के कई निचले इलाकों में कॉलोनियों में पांच फुट के आसपास पानी पहुंच गया है। लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला जा रहा है। इसी बीच एनडीआरएफ और लोकल पुलिस की टीम ने 100 साल की एक महिला को उसके परिवार समेत रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। बिसरख पुलिस को सूचना मिली कि 100 वर्षीय एक महिला अपने परिवार के साथ बाढ़ की वजह से घर में फंसी हुई है। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम और बिसरख थाना पुलिस नाव लेकर मंगलवार रात ही उसके घर तक पहुंच गई। वहां तीन लोग बाढ़ की वजह से घर में फंसे हुए थे। इस दौरान एनडीआरएफ की टीम और पुलिस ने अजब देवी (100), प्रशांत(77) और 35 वर्षीय एक महिला को बाहर

निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। रेस्क्यू किए जाने के बाद बुजुर्ग महिला ने पुलिस का धन्यवाद किया और कहा कि उन्हें विश्वास ही नहीं था कि वह वहां से निकल पाएंगी।

बीती कई दिनों से हिंडन का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की तरफ से निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को बार-बार चेतावनी दी जा रही है और सूचना दी जा रही है कि वह सुरक्षित स्थान पर पहुंच जाएं। साथ ही पुलिस कई दिनों से लगातार रेस्क्यू अभियान चला रही है और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रही है।

गाजियाबाद में मामूली बात पर युवक की पीट-पीटकर हत्या

गाजियाबाद। वेव सिटी थाना क्षेत्र में आधी रात को मामूली कहासुनी के बाद एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद हत्यारे फरार हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। एसीपी वेव सिटी ने बताया कि लाल कुआं चौकी क्षेत्र अन्तर्गत में विनय अपने दो अन्य साथियों के साथ सोमवार की रात को कहीं जा रहा था। रास्ते में किसी बात को लेकर उसकी उन युवकों से कहासुनी के बाद हाथापाई हुई। साथियों ने उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के संबंध में मृतक के परिवार ने पुलिस को अज्ञात युवकों द्वारा विनय की पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

गौतमबुद्ध नगर में बारिश के चलते 12वीं तक सभी स्कूल बंद

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले में 12वीं तक के सभी सरकारी स्कूलों को बुधवार को बंद कर दिया गया। आज तड़के से हो रही तेज बारिश को देखते हुए गौतमबुद्ध नगर के जिला अधिकारी ने सुबह यह आदेश जारी किया।

जिला अधिकारी का यह संदेश सुबह सवा सात बजे लोगों तक पहुंचा है। तब तक कई स्कूलों की बसें बच्चों को लेकर रवाना हो चुकी थीं। अब बच्चों के पहुंचने के बाद स?कूलों में छुट्टी की जा रही है और बच्चों को वापस घर भेजा जा रहा है।मौसम विभाग की मानें तो आने वाले कुछ दिनों तक एनसीआर में तेज बारिश होने की संभावना है। नोएडा और गाजियाबाद के कई निचले इलाकों में पहले ही बाढ़ का पानी आ चुका है जिसकी वजह से वहां रह रहे लोग काफी परेशान हैं। इसके साथ साथ अब हिंडन नदी का जलस्तर भी बढ़ रहा है और उसके चलते बड़ी-बड़ी हाईराइज सोसाइटी और डूब क्षेत्र में बनी अवैध कॉलोनियों में भी पानी जमा हो गया है।

नोएडा और गाजियाबाद में आज सुबह से ही तेज बारिश हो रही है जिसको देखते हुए नोएडा के जिला अधिकारी मनीष वर्मा ने सुबह आदेश जारी किया की 12वीं तक के सभी स्कूल पूरे जिले में आज बंद रहेंगे। उनके द्वारा जारी किया यह मैसेज सुबह 7-12 बजे लोगों को मिला और उसके बाद मीडिया के

जरिए यह प्रसारित होना शुरू हुआ।

इससे पहले ही काफी संख्या में बच्चे स्कूल जा चुके थे। अब स्कूलों को बंद कर आदेश का पालन करवाया जा रहा है और बच्चों को वापस उनके घर भेजा जा रहा है। आने वाले कुछ दिनों तक तेज बारिश होने की संभावना बरकरार है।

गाजियाबाद में घरों में पांच फीट तक भरा हिंडन नदी का पानी, एनडीआरएफ ने 40 लोगों को बचाया

गाजियाबाद। गाजियाबाद के हिंडन नदी में जलस्तर लगातार बढ़ने से पहले सिटी फॉरेस्ट में पानी घुसा और पास के ही अटौर गांव में 5-5 फुट तक पानी पहुंच गया। देर रात बाढ़ में फंसे लोगों को बचाने के लिए एनडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। एनडीआरएफ के इस रेस्क्यू ऑपरेशन में 40 लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाके से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। फर्रुखनगर इलाके के नंगला अटौर गांव में एकाएक बाढ़ का पानी आबादी की ओर बढ़ने लगा। आबादी के कुछ मकान करीब 5-5 फीट तक पानी में डूब गए। इन घरों में रह रहे लोगों ने छतों पर चढ़कर जान बचाई। जिला प्रशासन की सूचना पर एनडीआरएफ 8वीं बटालियन की एक रेस्क्यूअर टीम शाम 6 बजे पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। रात 11 बजे तक चले इस ऑपरेशन में 40 लोगों को घरों से सुरक्षित निकालकर दूर-दराज वाले स्थानों पर पहुंचाया गया। इस ऑपरेशन के दौरान ही एनडीआरएफ टीम की लोकेशन दो बार चेंज हुई, जहां पर लोग फंसे हुए थे। सभी पॉइंट पर जवानों ने पहुंचकर लोगों को बाढ़ से बचाया। उधर, गांव करहेड़ा की चार कॉलोनियों में हिंडन नदी का पानी भर गया है। इन कॉलोनियों में रहने वाले एक हजार से ज्यादा परिवार दहशत में आ गए हैं। शिवचरण कॉलोनी, उदम कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी और काष्णा कॉलोनी बिल्डर के द्वारा काटी गई हैं। लोगों का कहना है कि बाढ़ का पानी घरों की तरफ बढ़ रहा है, लेकिन जिला प्रशासन ने कोई सुध नहीं ली है। बाढ़ के चलते सिटी फॉरेस्ट बीते तीन दिन से बंद पड़ा हुआ है, जो करीब 175 एकड़ में फैला हुआ है। शाम गाजियाबाद के बाढ़ राहत प्रभारी एडीएम विवेक श्रीवास्तव ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में जाकर जायजा लिया। उन्होंने लोगों से अपील की है कि हिंडन नदी के किनारे नहीं जाएं। किसी भी स्थिति में आपदा के कंट्रोल रूम को सूचित करें। एडीएम ने बताया, गांव करहैड़ा और अटौर में राहत शिविर बना दिए गए हैं, यहां पर लोगों को सुरक्षित रखा जाएगा।

अयोध्या से वापस लौटने के बाद

कोमल चन्देला व उनकी टीम का भोपुरा ग्राम वासियों ने किया भव्य स्वागत गांव में खुशी का माहौल

गाजियाबाद साहिबाबाद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले भोपुरा गांव की बेटी ने पूरे गांव का नाम रोशन किया ग्राम वासियों में खुशी का माहौल प्राप्त जानकारी के अनुसार कोमल चन्देला पुत्री विनोद कुमार चन्देला के सपने में एक दिन श्री राम आए और उन्हें अयोध्या आने के लिए कहने लगे जिसके बाद अगले दिन सुबह कोमल चन्देला ने रामलला के दर्शन के लिए दौड़ कर अयोध्या जाने की ठान ली जिसके बाद अयोध्या जाने के बारे में कोमल चन्देला ने अपने परिवार को बताया जिसके बाद परिवार वालों ने कोमल को कोचिंग दे रहे कोच राजेन्द्र यादव से बात की जिसके बाद कोमल चन्देला अपनी टीम के साथ 12 जुलाई को नोएडा से अयोध्या रामलला के दर्शन के लिए रवाना हो गई जिसके बाद रास्ते में जितने भी धर्मस्थल पडे सभी पर अपनी हाजिरी लगाते हुए कोमल चन्देला अपनी मंजिल सात सौ किलोमीटर दूर अयोध्या रामलला के दर पर दस दिन में पहुंच गई और रामलला के दर्शन किए। जिसके बाद कोमल चन्देला अपने कोच राजेन्द्र यादव और अपनी टीम के साथ अयोध्या से वापस अपने कोचिंग सेंटर नोएडा पहुंची जिसके बाद 25 जुलाई को नोएडा से अपने गांव भोपुरा पहुंची तो ग्राम वासियों ने ढोल नगाड़ों के साथ कोमल चन्देला का नोटों वह फूलों की माला पहना कर उनका वह उनकी टीम का भव्य स्वागत किया और पूरे गांव के लोगों ने कोमल चन्देला के उज्जवल भविष्य की कामना की कोमल चन्देला पुत्री विनोद कुमार चन्देला एक सामान्य परिवार से

ताल्लुक रखते हैं कोमल चन्देला के परिवार माता पिता व चार बहन एक भाई हैं जिनमें से कोमल चन्देला तीसरे नंबर पर आती है कोमल के पिता दिल्ली में एमसीडी मैं कार्यरत है और माता ग्रहणी है।कोमल चदेला रनिंग में पहले भी राज्य स्तर पर सिल्वर वह गोल्ड मेडल जीत चुकी है।वही कोमल चन्देला के स्वागत के मौके पर मौजूद रहे लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर, भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष पं सचिन शर्मा, जयचंद मुखिया, पार्षद यशपाल पहलवान, पूर्व पार्षद विनोद कसाना, मुखिया रघुवर दयाल, किरण सिंह प्रधान, ब्रह्मपाल चन्देला, बाबा महावीर, जय भगवान चन्देला, नरेन्द्र तोमर, राजेन्द्र चन्देला, राजकुमार चन्देला उर्फ लड्डू, भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष अमित कसाना, राजकुमार चन्देला, एडवोकेट कपिल चन्देला, उमेश चन्देला, अमित चन्देला, डब्बी पहलवान,सेवाराम कसान, सैन दीपक कुमार, सौरव चन्देला, पूर्व पार्षद चतर सिंह, पत्रकार पंकज तोमर, सुनील कसाना, पार्षद ओमपाल भाटी, महिपाल कसाना, पप्पू मुखिया, देवेन्द्र कसाना, रविन्द्र कसाना, श्रीकेश कसाना, मुकेश चन्देला, लेखराज चन्देला, जग्गी चन्देला, सुरेन्द्र चन्देला, नरेश चन्देला, बिल्लू कसाना, संजय कसाना, संजय पहलवान, बिल्लू पंडित ,शम्मी चन्देला, डॉ रजत चन्देला, विनोद कसाना, निमेष चन्देला, वीरे चन्देला, सोनू चन्देला, राहुल चन्देला, दीपक चन्देला ,मेघराज ,बिजेंदर मास्टर, विक्रम कसाना रामशरण चन्देला के साथ-साथ हजारों लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

शिव महापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है

गौतम बुध नगर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल कि हमारी अपनी सहयोगी संस्था शाम्भवी महामुद्रा ट्रस्ट के द्वारा सावन माह के पवित्र पावन शुभ अवसर पर श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन शिव योगी श्रीमती कनक लता (कनक) जी के श्री मुख से दिनांक 24-07-2023 दिन सोमवार से 01-08-2023 तक श्री हनुमान मंदिर सेक्टर 19 में भव्य आयोजन किया जा रहा है जिसमें आज सामिल हो प्रभु शिव का आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

इंटरनेशनल ट्रेड फेयर को लेकर जिला प्रशासन की बैठक संपन्न

गौतम बुद्ध नगर : जनपद में 21 से 25 सितंबर तक आयोजित होने वाले इंटरनेशनल ट्रेड फेयर को लेकर जिला प्रशासन गंभीरडीएम मनीष कुमार वर्मा के निदेर्शों के क्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ नितिन मैदान की अध्यक्षता में होटल प्रबंधकों के साथ बैठक संपन्न जनपद के 4 व 5 स्टार होटल अनावश्यक रूप से रेट में ना करें वृद्धि, सभी अपनी रेट लिस्ट 2 दिन में कराएं उपलब्ध जनपद गौतम बुद्ध नगर के इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में आगामी 21 से 25 सितंबर को आयोजित होने वाले इंटरनेशनल ट्रेड फेयर को लेकर आज डीएम मनीष कुमार वर्मा के निदेर्शों के क्रम में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ नितिन मदान की अध्यक्षता में जनपद के होटल प्रतिनिधियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें नगर मजिस्ट्रेट धर्मेंद्र सिंह, इंडिया एक्सपो मार्ट के पदाधिकारी गण तथा जनपद के 4 व 5 स्टार होटल के प्रबंधकगण उपस्थित रहे। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जनपद में आयोजित होने वाला इंटरनेशनल ट्रेड फेयर बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसमें देश विदेश के लोगों के द्वारा भी प्रतिभाग किया जायेंगा और उनको ठहरने की व्यवस्था 4 में 5 स्टार होटलों के स्वीट में ही कराई जाएगी। इसलिए जनपद के होटल प्रबंधकों के द्वारा अपने अपने होटलों की क्षमता, रेट लिस्ट विद डिस्काउंट 2 दिन के अंदर अवश्य उपलब्ध करा दी जाए। अपर जिलाधिकारी ने होटल प्रबंधकों का यह भी आह्वान किया कि उनके द्वारा अनावश्यक रूप से रेट में बढ़ोतरी न की जाए, सामान्यता जो होटल के रेट हैं उन्हीं के अनुरूप रेट लिस्ट तैयार करते हुए उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी होटल के द्वारा निर्धारित रेट से ज्यादा रेट की वसूली की जाती है तो संबंधित होटल के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सीटू के बैनर तले अंबुजा सीमेंट के कर्मचारियों ने

उप श्रम आयुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन कर दिया ज्ञापन

नोएडा, मैसर्स-अंबुजा सीमेंट लिमिटेड एनटीपीसी रोड ग्राम धूम मानिकपुर/ बढ़पुरा दादरी गौतम बुध नगर में वर्षों से लगातार स्थाई रूप से कार्यरत संविदा कर्मचारियों की उत्पन्न श्रम समस्याओं का सम्मानजनक समाधान करवाने की मांग को लेकर कांन्ट्रेक्ट लेबर इम्पलाईज यूनियन "सीटू" ने उप श्रम आयुक्त कार्यालय सेक्टर- 3, नोएडा पर यूनियन के अध्यक्ष पारस रजक सीटू नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा, रामसागर, राम स्वारथ के नेतृत्व में धरना- प्रदर्शन कर उप श्रमायुक्त गौतम बुध नगर श्री धर्मेंद्र कुमार जी को माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार व माननीय श्रम मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रमुख सचिव (श्रम) उत्तर प्रदेश को संबोधित ज्ञापन दिया। ज्ञापन में मांग किया गया है कि संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र, कार्य के अनुसार पद व पद के अनुसार वेतन, सप्ताहिक/ त्योहारिक अवकाश, शिफ्ट में कार्यरत श्रमिकों को चाय नाश्ता, ओवरटाइम का कानून के अनुसार दोगुना वेतन सहित अन्य समस्त श्रम कानूनों को लागू कराया जाए तथा संविदाकार के बदलने पर श्रमिकों को नहीं बदला जाए आदि मांगे की गई हैं।उप श्रम आयुक्त महोदय ने यूनियन के प्रतिनिधिमंडल को समस्याओं का शीघ्र समाधान करवाने का आश्वासन दिए जाने पर धरना प्रदर्शन समाप्त किया गया।

भा कि यू अंबावता का प्रतिनिधिमंडल किसानों की और गांव में विकास कार्य की समस्याओं को लेकर डीएम से की मुलाकात

गौतम बुध नगर। भारतीय किसान यूनियन अंबावता का प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष विकास प्रधान के नेतृत्व में जिला अधिकारी मनीष कुमार वर्मा से मिला उनको किसानों की समस्याओं को लेकर और गांव में विकास कार्यों को लेकर अवगत कराया जिसमें अंबावता संगठन के दादरी तहसील अध्यक्ष किसान नेता राजकुमार रूपवास का कहना है कि गांव में प्रधानी खत्म हो गई है जिसमें विकास कार्य करने का कर्तव्य ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का बनता है लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है गांव में विकास कार्यों को लेकर गांव वासियों में रोस है सफाई से लेकर नाली खरंजा से परेशान है लोग पानी सड़कों पर बह रहा है गांव में ज्यादातर हॉस्पिटल नहीं है लाइब्रेरी नहीं है खेल के मैदान नहीं है जो हॉस्पिटल बनी हुई है वह चालू नहीं है जिसमें प्रदेश महासचिव कृष्णा नागर ने कहा है कि जो वर्तमान में सामुदायिक चिकित्सालय बने हुए हैं गांव में वह तुरंत चालू किए जाएं उनको सभी सुविधाएं दी जाएं और जिन गांवों में सार्वजनिक शौचालय चिकित्सालय खेल के मैदान लाइब्रेरी नहीं बनी है उनको तुरंत सर्वे कर बनाया जाए गांव में लोग बहुत परेशान है सरकार से जो सरकारी सुविधा है वह भी नहीं उपलब्ध कराई जा रही है अगर जल्दी इन समस्याओं का समाधान नहीं होता है तो भारतीय किसान यूनियन अंबावता संगठन आंदोलन करने को मजबूर हो जाएगा जिसके जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष जतन विकास प्रधान लोकेश भाटी नरेंद्र भाटी किसान नेता राजकुमार रूपबास कृष्णा नागर भरत नागर शुभम चेची बालकिशन प्रधान विनोद मलिक अजय मलिक अरुण गुर्जर मिश्री नागर धीरज नागर आदि मौजूद थे।

कश्यप ,सैनी ,त्यागी समाज के लोगों ने एसडीएम बुढाना को दिया ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। तहसील बुढ़ाना जनपद मुजफ्फरनगर में कश्यप सैनी , त्यागी समाज के लोगों ने मंत्री स्वतंत्रदेव की बर्खास्तगी के लिए एस डी एम बुढाना को ज्ञापन दिया । आपने अपनी मांग मे कहा हमारी बहन बेटियों के विरुद्ध आपत्तिजनक शब्द सहन नहीं किए जाएंगे । केंद्र सरकार स्वतंत्र देव मंत्री को बर्खास्त करें । अन्यथा हम शीघ्र ही तहसील स्तर पर प्रदर्शन शुरू करेंगे ज्ञापन देने वालों में डॉक्टर सुनील , मास्टर चुन्नू कश्यप ' , मास्टर सुशील कश्यप मोहम्मदपुर राय सिंह ऋषि पाल कश्यप , रोशन लाल , प्रमोद कश्यप, अरविंद सलेकचंद सैनी ओमपाल ,अर्जुन कश्यप प्रदीप त्यागी , शामिल रहे ।

रोटरी क्लब ग्रेनो ने लगाया रक्तदान शिविर

गौतम बुध नगर। रोटरी क्लब अध्यक्ष कपिल शर्मा ने बताया रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा द्वारा कारगिल विजय दिवस के अवसर पे कारगिल युद्ध में वीर शहीदों को नमन करते हुए उनकी याद में रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा व हवेलिया ह्यूमैनिटी तथा सोसायटी वासियों के सहयोग द्वारा वैलेंशिया होम्स सोसायटी में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में हवेलिया वैलेंशिया होम्स तथा आसपास की अन्य सोसायटियों के लोगों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया । रक्तदाताओं को रोटरी क्लब, ग्रेटर नोएडा, की ओर से प्रमाणपत्र और ममेंटो (स्मृति चिन्ह) प्रदान किए गए । श्री निखिल हवेलिया, एमडी, हवेलिया ग्रुप, ने इस अवसर पे कहा, " एक जिम्मेदार कॉपोरेंट ग्रुप होने के नाते हम इस तरह की पहल करते रहते हैं क अपनी जान की परवाह किए बिना देश की हिफाजत करने वाले वीर शहीदों के प्रति हमारी ये श्रद्धांजलि हैं क इस नेक काम के आयोजन औऱ इसे सफल बनाने के लिए रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा, और अपनी सोसायटी के निवासियों का समस्त हवेलिया ग्रुप धन्यवाद करती है" ।कैम्प ने कपिल शर्मा ,मुकुल गोयल ,सर्वेश अग्रवाल ,शुभम गोयल , तरंग तायल , संजीव कुमार , पीयूष शर्मा आदि सदस्य उपस्थित रहे।

बढ़े जल स्तर को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन एक्टिव

गौतम बुद्ध नगर। यमुना एवं हिंडन नदी के बढ़े जल स्तर को लेकर प्राधिकरण, जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन एक्टिव डीएम मनीष कुमार वर्मा यमुना एवं हिंडन नदी के बढ़े जलस्तर से प्रभावित क्षेत्रों का निरंतर कर रहे हैं भ्रमण मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा लोकेश एम व डीएम मनीष कुमार वर्मा ने यमुना एवं हिंडन नदी के बढ़े जलस्तर से प्रभावित क्षेत्रों का संयुक्त रूप से किया दौरा यमुना एवं हिंडन नदी के जल स्तर की निरंतर मॉनिटरिंग करने व सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखने के संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश, प्रभावित परिवारों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने की की गई अपील यमुना एवं हिंडन नदी के बढ़े जल स्तर से प्रभावित परिवारों के लिए जनपद में बनाए गए हैं सुरक्षित अस्थाई आश्रय स्थल जनपद में यमुना एवं हिंडन नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण उत्पन्न स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए प्रभावित क्षेत्रों के परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा कर सभी मूलभूत सुविधाएं मानकों के अनुरूप उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज नोएडा विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम. व डीएम मनीष कुमार वर्मा के द्वारा यमुना एवं हिंडन नदी के बढ़े जलस्तर से प्रभावित क्षेत्रों का संयुक्त रुप से स्थल निरीक्षण किया गया। मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं डीएम मनीष कुमार वर्मा ने भ्रमण के दौरान ग्राम सुत्याना सेक्टर 142 में पहुंचकर जलभराव की स्थिति का जायजा लिया और सभी ग्रामीणों से अपील की गई कि वह जनपद में बनाए गए सुरक्षित आश्रय स्थलों में प्रवास करें। सुरक्षित आश्रय स्थलों में सभी सुविधाएं, रहन सहन, खानपान, बिजली, पानी, साफ सफाई एवं मेडिकल सुविधाएं बहुत ही अच्छे ढंग से उपलब्ध कराई जा रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि यमुना एवं हिंडन नदी के जलस्तर की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए और सुरक्षा को लेकर अपनी सभी व्यवस्थाएं मानकों के अनुरूप सुदृढ़ कर ली जाएं। इसके उपरांत मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं डीएम ने सेक्टर 135 में अस्थाई गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि गौशाला में रखे गए पशुओं के रहने के लिए साफ-सुथरा स्थान, चारे एवं मेडिकल सुविधाएं मानकों के अनुरूप उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर नोडल अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि उनके द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर भ्रमण कर स्थिति का जायजा लिया जाए और प्रभावित परिवारों के लिए जो सुरक्षित अस्थाई आश्रय स्थल बनाए गए हैं, उनमें मिलने वाली सुविधाओं की भी मॉनिटरिंग कर यह सुनिश्चित करें कि वहां पर सभी मूलभूत सुविधाएं, खानपान तथा मेडिकल सुविधा प्रवास कर रहे लोगों को मानकों के अनुरूप प्राप्त होती रहे। इस महत्वपूर्ण भ्रमण कार्यक्रम के दौरान एसीपी शक्ति अवस्थी, उप जिलाधिकारी सदर अंकित कुमार एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

आई फ्लू के बढ़ते संक्रमण से सावधान रहें अभिभावक -- जीपीए

जीपीए ने आई फ्लू के लक्षण और बचने के उपाय से किया पेरेंट्स को जागरूक

गाजियाबाद । गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ने आई फ्लू के बढ़ते संक्रमण के लक्षण और उपाय के बारे में अभिभावको को जागरूक करते हुये जिला प्रशासन और शिक्षाधिकारियों से जिले के स्कूलो को एडवाइजरी जारी करने की अपील की है क्योंकि पूरे देश मे लगभग हर राज्य में भारी बारिश की वजह से बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। भीषण वर्षा की वजह से न सिर्फ लोगों का जन जीवन अस्त-व्यस्त हो हुआ है, बल्कि आंखों से जुड़ी बीमारियां भी तेजी से बढ़ने लगी है।

जिसमे बच्चो सहित बड़ो में भी आई फ्लू के केस लगातार बढ़ रहे है । आई फ्लू आई फ्लू को पिंक आई या कंजंक्टिवाइटिस भी कहा जाता है, जो कि बारिश के मौसम में होने वाली एक आँखों की समस्या है आई फ्लू से आंखों के सफेद हिस्से में संक्रमण हो जाता है। आई फ्लू के ज्यादातर मामले सर्दी खांसी वाले वायरस की वजह से बढ़ते हैं। बरसात में फंगल इन्फेक्शन समेत हवा में प्रदूषण वातावरण में नमी जैसी समस्यासं बढ़ जाती है । जिसकी वजह से आंखों से जुडी परेशानियां होने लगती है । आई फ्लू फैलने के कारण दरअसल, बारिश के गंदे पानी में नहाने या फिर लंबे समय तक पसीने में काम करने से आंखों में इंफेक्शन की समस्या हो जाती है । इसके अलावा आई फ्लू से पीडित लोंगो के साथ हाथ मिलाने और गंदे हाथों से आंखो को छुने एव पीडित व्यक्ति के कपडे प्रयोग करने से आई फ्लू होने की आशंका बढ़ जाती है हालांकि की बरसात के बाद हर साल आई फ्लू की समस्या आती है लेकिन इस बार आई फ्लू का रूप और संक्रमण होने की गति में बड़ा बदलाव महसूस किया जा रहा है जिससे हम कुछ उपाय प्रयोग में लाकर बच सकते है आई फ्लू फैलने के लक्षण को आप आसानी से पहचान सकते है जैसे

1 . आंखों का लाल सूजन युक्त होना
2 .आंखो में सफेद रंग का कीचड दिखाई देना
3 आंखों से पानी बहना
4 .आंखों में दर्द जलन या खुजली होना
5 .आंखों के आसपास की त्वचा में सफेद या लाल दाग होना

आई फ्लू से बचने उपाय

1.हाथो को नियमित अंतराल पर साबुन से धोना
2.आंखो का छुने से पहले व बाद में हाथ धोन से संक्रमण का खतरा कम हो जाता है
3.संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाकर रख हाथ बिल्कुल भी न मिलाऐं
4 .आंखो मे जलन होने और लाल होने पर नियमित अंतराल पर स्वच्छ पानी से धोएं
5.गन्दे हाथ आंखो के पास न ले जाऐ

मणिपुर की जघन्य घटना ने फूलन देवी की यादें की ताजा : नीरज जड़ौला

कैथल। पुंडरी हल्के के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं पूर्व सरपंच नीरज कुमार जड़ौला ने कहा कि वर्तमान की भाजपा सरकार महिला सुरक्षा के साथ-साथ हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। केंद्र की मोदी सरकार के नेतृत्व में चल रहा देश महिलाओं की सुरक्षा करने में बिल्कुल नकारा और विफल साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि मणिपुर जो देश का अभिन्न अंग है, भारत का एक राज्य है, पूर्वोत्तर राज्यों में भारत की महिलाओं के साथ बहुत बड़ी जघन्य, अपमानजनक व्यवहार किया जा रहा है। नीरज जड़ौला ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी हरियाणा में आकर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देते हैं लेकिन भाजपा के नेतृत्व वाली मणिपुर सरकार के कार्यकाल में वहां पर आदिवासी समाज की महिलाओं को नंगा करके सरेआम शहर में घुमाया जाता है, यहां तक कि उनके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया, उनको इतना जलील किया गया कि व्यक्ति आत्महत्या करने को मजबूर हो जाए। जड़ौला ने कहा कि मणिपुर राज्य की इस तरह के जघन्य घटना को देखकर आज फिर इस देश में उत्तर प्रदेश की महिला फूलन देवी की यादें ताजा हो गई है क्योंकि कश्यप समाज की उस बहन फूलन देवी के साथ भी इसी तरह का जघन्य अपराध आज से 30 वर्षों पहले हुआ था।पिछले 2 महीनों से चल रहा है मणिपुर के हिंसक वारदातों पर व महिलाओं के साथ इतनी जघन्य घटनाओं पर प्रधानमंत्री संसद में बयान देने से भी बच रहे हैं और मीडिया के सवालों से भी बच रहे हैं। नीरज जड़ौला ने कहा कि मामले में केवल खानापूर्ति कर रहे हैं। बीजेपी के सभी सांसद महिला सम्मान पर बात करने से डरते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार किसान, मजदूर, कर्मचारी, छात्र, महिला विरोधी व सभी वर्गों के लिए निकम्मी सरकार साबित हुई है। जड़ौला ने कहा कि भाजपा की सरकार में हर वर्ग बिल्कुल दुःखी व मायूस है।

सम्राट मिहिर भोज प्रतिमा को लेकर उपजे विवाद को सुलझाने में हरियाणा सरकार विफलः कुंवर हरिवंश सिंह

करनाल। सम्राट मिहिर भोज को लेकर दो जातियों में उपजे विवाद को लेकर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद कुंवर हरिवंश सिंह व सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह ने हरियाणा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा की सरकार इस मामले को सुलझाने में विफल साबित हुई है। दो दिन बाद यदि इस मसले का हल नहीं निकला तो राजपूत समाज के युवा सड़कों पर होंगे जिसकी जिम्मेदारी हरियाणा सरकार की होगी। राजपूत समाज के नेता सेक्टर 8 स्थित महाराणा प्रताप भवन में समाज के लोगों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजपूत समाज के युवा तलवार छोड़कर पढ़ाई की तरफ आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन ऐसा माहौल पैदा किया जा रहा है जिससे एक बार फिर समाज के युवा आक्रोशित होकर सड़कों पर हैं इतिहास को महापुरुषों ने और समाज के लोगों ने अपने खून के साथ बनाया है जिसे इस तरह से नष्ट नहीं होने देंगे। कैथल पुलिस ने राजपूत युवाओं पर जो लाठी चार्ज किया है उसके लिए होम मिनिस्टर को माफी मांगने चाहिए और लाठी चार्ज करने वाले अधिकारियों और पुलिसकर्मियों पर को तुरंत प्रभाव से सस्पेंड करना चाहिए। इस विवाद को निपटाने के लिए सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा पर जाति सूचक शब्द की बजाए हिंदू सम्राट मिहिर भोज लिखा जाए इस मसले को लेकर वह मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री से भी बात करेंगे। इस विवाद को निपटाने के लिए सम्राट मिहिर भोज के वंशज खुद आगे आए हैं और वह बता रहे हैं की उनके राजाओं का जाति परिवर्तन ना किया जाए जिसको लेकर वह कोर्ट में भी गए हैं। इतिहास के साथ छेड़छाड़ ना हो इसके लिए सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका लगाई जाएगी। इस अवसर पर सुभाष राणा अलावला, साध्वी पृथ्वी पुरी, प्रमोद ठाकुर, गजेंद्र सिंह पवार, राहुल राणा सहित काफी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे करनाल आयुर्वेदिक और फार्मा एसोसिएशन-अनूप भारद्वाज

करनाल। हरियाणा आयुर्वैदिक ड्रग एंड मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अनूप भारद्वाज ने कहा कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए करनाल आयुर्वैदिक ड्रग एंड मैन्युफैक्चरर्स व करनाल फार्मास्युटिकल्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन मिलकर काम करेंगे। आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में अच्छा स्वास्थ्य होना बेहद जरूरी है तभी आप लंबे समय तक काम कर सकते हैं। इन सब चीजों को बेहतर करने के लिए आयुर्वेद बढ़-चढ़कर काम कर रहा है ऐसे में अब फार्मा का साथ मिलने से और भी बेहतर काम होगा इसमें हरियाणा सरकार का भी सहयोग लिया जाएगा। भारद्वाज जिमखाना क्लब में आईडीएफसी बैंक की ओर से आयोजित व्यापारियों की क्लस्टर मीट को संबोधित कर रहे थे। इस मीट में आयुर्वेद और फार्मा से जुड़े प्रमुख कारोबारियों ने हिस्सा लिया। करनाल फार्मास्यूटिकल्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के प्रधान नरेंद्र कुमार ने कहा कि करनाल फार्मा स्वास्थ्य के क्षेत्र में लोगों के भरोसे के साथ बेहतर कार्य कर रहा है आगे भी इस इंडस्ट्री में लोगों का भरोसा उन पर कायम रहे। उनकी एसोसिएशन की ओर से ऐसी सेवाएं मुहैया कराई जाएंगी। कार्यक्रम में व्यापारियों को बैंकिंग स्कीमों की जानकारी भी दी गई। मीट में करनाल अध्यक्ष नरेंद्र कुमार, अभिषेक गुप्ता, परमजीत, रोहित गुप्ता, रोहित ग्रोवर, गुलशन डावर, डा. मुकुल साल्दी, गुलशन गुलाटी, डॉ महेश सुखीजा, विकास सिंगला, जितेन्द्र बत्तरा, रविन्द्र कुमार आईडीएफसी बैंक कलस्टर हेड सौरभ चांदना, ब्रांच मैनेजर जसविन्द्र सिंह, चालू खाता हेड अरुण कांबोज व मार्केटिंग अधिकारी रविकांत यादव मौजूद रहे।

30 जुलाई को मोहना रैली होगी ऐतिहासिक : अजय चौटाला

फरीदाबाद। जननायक जनता पार्टी द्वारा मोहना में होने जा रही लोकसभा स्तर की रैली में रिकॉर्ड कार्यकर्ताओं की भीड़ जुटेगी, माना जा रहा है की फरीदाबाद लोकसभा की यह रैली ऐतिहासिक होने जा रही है, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अजय सिंह चौटाला, प्रदेश अध्यक्ष सरदार निशान सिंह, जिले के हर हल्के में जाकर लोगों को रैली का निमंत्रण दे रहे हैं और कार्यकर्ताओं में जोश भर रहे हैं। इसी कड़ी में एनआईटी हल्के में हल्का अध्यक्ष हाजी करामत अली व वरिष्ठ नेता नंदराम पाहिल द्वारा गांवों व कालोनियों में सफल प्रोग्राम आयोजित करवाये गये। राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय चौटाला द्वारा गांव सिरोही, टिकरी खेड़ा, आलमपुर, धौज, फतेहपुर, मादलपुर, मोहताबाद, जवाहर कालोनी में लोगों को अधिक से अधिक संख्या में मोहना रैली में पहुंचने के लिए आमंत्रित किया। रैली के लिए निमंत्रण देते हुए जनसमस्याओं को भी सुना ग्रामीणों ने भी नेताओं के स्वागत में कोई कसर नहीं छोड़ी तथा अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का भरोसा भी दिया। इस मौके पर डॉक्टर अजय सिंह चौटाला राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष सरदार निशान सिंह, हज कमेटी के चेयरमैन मोहसिन चौधरी, जिला अध्यक्ष कृष्ण जाखड़, व हाजी अख्तर जिला अध्यक्ष माइनॉरिटी सेल, राजेश भाटिया, प्रेम धनकड़, मानिक मोहन शर्मा, प्रेम कृष्ण आर्य, मोमिन फतेहपुर, आस मोहम्मद फतेहपुर, नासिर सरपंच, बलराज भड़ाना, इमरान, मोहम्मद शरीफ आदि मौजूद रहे।

प्रोजेक्ट के तहत दूसरे प्रदेशों से मंगाए जाने वाले पगेसियस व देसी मांगूर जैसे मछली के बीज फार्म पर किए जाएंगे तैयार- ईश्वर सिंह

करनाल। एक्वा कल्चर यानि जल कृषि में विविधता लाने के मकसद से, मत्स्य विभाग हरियाणा करनाल के सैदपुरा स्थित राजकीय मत्स्य बीज फार्म पर एस्टेबलिशमेंट ऑफ कैट फिश हैचरी फॉर डाईवर्सीफिकेशन नाम की प्रपोजल पर काम कर रहा है। इसे लेकर मंगलवार को उपायुक्त अनीश यादव ने मत्स्य विभाग के अधिकारियों के साथ इस पर चर्चा कर पूरी जानकारी ली। मीटिंग में चण्डीगढ़ से आए उप निदेशक ईश्वर सिंह तथा फार्म प्रबंधक चंद्र शेखर मौजूद रहे। उप निदेशक ईश्वर सिंह ने उपायुक्त को बताया कि सैदपुरा में उक्त फार्म 3.06 हैक्टेयर पर फैला है, जिसमें 2.90 हैक्टेयर क्षेत्र फार्म के प्रयोग में है तथा 0.18 हैक्टेयर एरिया में कार्यालय भवन व हैचरी स्थापित है। उन्होंने बताया कि प्रपोजल अभी पाईप लाईन में है, लेकिन अगले कुछ महीनो में यह सिरे चढ़ जाएगा।

क्या है प्रपोजल में- उन्होंने बताया कि मत्स्य विभाग का यह एक यूनिक प्रोजेक्ट है, इसके तहत पगेसियस व देशी मांगूर का बीज तैयार किया जाएगा। सरकार और मत्स्य विभाग की मंशा है कि लोगों की मच्छली खाने की आदत को समझते हुए उपरोक्त किस्म की मछली प्रजाति का बीज तैयार करके लोगों की मांग को पूरा किया जाए। इसी को ध्यान में रखते हुए सैदपुरा में इस प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा है। इसके तहत फार्म पर 2 हिस्सों में मौजूद हैचरी पर उपरोक्त व अन्य किस्मों का बीज तैयार किया जाएगा। फिलहाल यह बीज देश के उडीसा, आंध्रा और बंगाल जैसे राज्यों से मंगाया जाता है, जिस पर किसानो का

अधिक खर्चा होता है। अब इसे इसी फार्म पर तैयार किया जाएगा। इसके लिए फार्म पर पोलीहाऊस बनाए जाएंगे। फिलहाल फार्म पर मौजूद जगह और तालाबों की सफाई करवाई जा रही है। एक नलकूप लगाया जाएगा, जिससे तालाबों में पानी डालेंगे और फिर मच्छली का बीज डालकर उसे तैयार करेंगे और फिर किसानो को उपलब्ध करवाएंगे।

कैसे होता है बीज तैयार- मच्छली बीज कैसे तैयार होता है, मीटिंग में उपायुक्त ने इसकी भी जानकारी ली। उप निदेशक ने बताया कि पानी में ब्रुडर अण्डे देने वाली मादा मच्छली के अंदर, नर मच्छली के स्पर्म शुक्राणु डाले जाते हैं। दोनो को हार्मोन्स के इंजैक्शन लगाए जाते हैं और फिर दोनो को ब्रिडर पूल में रखते हैं। पूल में मौजूद पानी को घुमाया जाता है, ऊपर से बारिश की तरह पानी डाला जाता है। मच्छली अण्डे दे देती है, 10 से 15 घण्टे में अण्डे से बच्चा निकलता है। 72 घण्टे तक उसे हैचरी में रखते हैं, फिर 10 से 15 दिन नर्सरी में रख दिया जाता है। जैसे ही बच्चा 25 एम.एम. का हो जाता है, उसे ऑक्सीजन मिले पानी में डालकर पॉलीथिन के पैकेट के अंदर किसानो को सरकारी रेट पर मुहैया करवाया जाता है। उन्होंने बताया कि 1 हैक्टेयर में 1 लाख मच्छली बीज डाला जाता है।

यह है जिला में एक्वा कल्चर का लक्ष्य- जिला मत्स्य अधिकारी शकुंतला के अनुसार करनाल जिला में वर्तमान में 700 हैक्टेयर में एक्वा कल्चर हो गया है। इसमें 86 हैक्टेयर निजी किसानो द्वारा तथा शेष पंचायती भूमि पर शामिल है। फरवरी-मार्च तक यह 900 हैक्टेयर तक जा सकता है। गत वर्ष 835 हैक्टेयर में मत्स्य पालन किया गया था। ऐसे किसान जिनकी भूमि की जोत कम है, उनका रूझान मत्स्य पालन की ओर बढ़ रहा है। मत्स्य पालन से किसान का खर्चा कम और मुनाफा ज्यादा होता है। इस वर्ष निजी किसानो द्वारा करीब 24 हैक्टेयर में नए मत्स्य तालाब बनाए गए हैं।

मत्स्य पालकों को सब्सिडी का है प्रावधान- उन्होंने बताया कि मत्स्य पालकों को सरकार की ओर से सब्सिडी का प्रावधान किया गया है। यह अनुसूचित जाति (महिला) व सामान्य वर्ग के लोगों के लिए अलग-अलग है। एस.ई. केटेगरी के व्यक्ति को लीज पर जमीन के लिए कुल खर्च का 50 प्रतिशत या 50 हजार प्रति हैक्टेयर की सब्सिडी दी जाती है। इसके साथ-साथ 1100 रुपये स्टाईफंड और ट्रेनिंग भी दी जाती है। दूसरी स्कीम प्रधानमंत्री मतस्य सम्पदा योजना के नाम से है। इसमें एस.ई. या महिला लाभार्थी को प्रोजेक्ट कीमत की 60 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है, जिसमें 36 प्रतिशत केन्द्र व 24 प्रतिशत राज्य सरकार की ओर से मिलती है। इस स्कीम में सामान्य व्यक्ति, महिला या पिछड़ा वर्ग के लाभार्थी को प्रोजेक्ट कीमत की 40 प्रतिशत सब्सिडी दी जाती है।

योग करने से शरीर रहता है चुस्त-तंदरुस्त : शमशेर नैन

करनाल। पतंजलि योग समिति करनाल द्वारा संचालित दिव्या योग कक्षा सेवा समिति आश्रम अर्जुन गेट करनाल मे आज योग कक्षा का शुभारम्भ जिला सोशल मीडिया प्रभारी सुरिंदर नारंग नें ईश्वरिये वंदना करवा कर किया। इस अवसर पर योग शिक्षक शमशेर सिंह नैन ने कहा कि सभी भयानक रोगों में सिर्फ योग तथा प्राणायाम ही एकमात्र साधन है जिसके द्वारा शरीर को पूरी तरह से स्वस्थ रखा जा सकता है। इन रोगों से बचने के लिए आठ प्राणायाम, आठ सूक्ष्म व्यायाम व आठ आसनों को नित्य प्रति अपने जीवन में अपनाकर भयंकर बीमारियों से निजात पाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि योग को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएं, हर दिन कम से कम 10 मिनट तक योग जरूर करें। रिंपी खरबंदा ने कहा कि योग करने से न केवल व्यक्ति तनावमुक्त रहता है साथ ही बेहतर स्वास्थ्य बना रहता है। उन्होंने कहा कि यदि माता-पिता के चरण स्पर्श करते हैं तो आयु, यश, विद्या एवं बल में वृद्धि होती है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में जीवन शैली का वर्णन है। इसलिए योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। इस अवसर पर सुरेंद्र नारंग, जितेंद्र गुप्ता, लक्ष्मी चोपड़ा, रिंपी खरबंदा, अशोक नारंग, सविता नारंग, बलदेव राणा, कमल चोपड़ा, पूर्ण चंद, अंजू अरोड़ा, दया, दविंद्र चौधरी, पूनम निझावन, नीरू गुप्ता, गुरदयाल सिंह, वंशिका, भारती, किरण बाला, रेनु गोयल, रामलाल गोयल, दीनानाथ भाटिया, ज्योति गुलाटी, आशा गाबा, कविता, मधु बाला, मंजू शर्मा, नेहा, संतोष कथूरिया व वंदना आदि मौजूद रहे।

60 लाख रुपये से पक्की करवाई जाएंगी फिरनियां

सोनीपत। मेयर निखिल मदान ने मंगलवार को 60 लाख रूपये की लागत से गांव शाहपुर, फाजिलपुर व रेवली की फिरनियों को सीसी से पक्के किए जाने के कार्यों का शुभारंभ किया। इसके अलावा 99 लाख रूपये से गांव राई, लिवान व जगदीशपुर के जोहड़ों की सफाई का कार्य भी शुरू कराया गया है। नगर निगम द्वारा निगम क्षेत्र के गांवों में फिरनी के कच्चे रास्तों को सीसी से पक्का किए जाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। इस क्रम में गांव शाहपुर में कच्ची फिरनी को सीसी से पक्का किए जाने के कार्य का नारियल तोड़ कर शुभारंभ किया। गांव फाजिलपुर व रेवली में भी फिरनियां सीसी से तैयार की जाएगी। मेयर ने शुभारंभ अवसर पर निगम अधिकारियों और एजेंसी प्रतिनिधियों को विकास कार्य पूरी गुणवत्ता और समय सीमा के अंदर पूरा करने के निर्देश दिये। मेयर मदान ने बताया कि निगम के

गांवों में जोहड़ों की सफाई का भी कार्य शुरू कराया गया है। करीब 99 लाख लाख रूपये की लागत से निगम क्षेत्र के गांव राई, लिवान व जगदीशपुर में जोहड़ों की सिल्ट, अन्य गंदगी निकालने और पानी को साफ करने का कार्य किया जाएगा। यह कार्य पूरा होने के बाद जोहड़ों के आसपास वृक्षारोपण किया जाएगा। इस मौके पर पार्षद प्रतिनिधि प्रवीण सैनी, भीम सिंह, पूर्व सरपंच महेंद्र सिंह, विकास कटारिया, देवेंद्र कटारिया, संदीप, अमित, जय भगवान, सुरेंद्र, कर्मवीर सिंह, समुंद्र कटारिया, अजमेर कादयान, अशोक, सोनू, मोनू, मुकेश, चरण सिंह आदि भी मौजूद रहे।

सम्राट मिहिर भोज को लेकर प्रदेश में गरमाई सियासत

चरखी दादरी। सम्राट मिहिर भोज की जाति को लेकर जहां सियासत गरमाई हुई है वहीं राजपूत समाज ने पंवार खाप के आह्वान पर विरोध में उतरते हुए भाजपा पर आपसी भाईचारा खराब करने का आरोप लगाते हुए जनप्रतिधियों के बहिष्कार का फैसला लिया। साथ ही सीएम का पुतला दहन करते हुए सरकार का विरोध करने व आगामी चुनावों में भाजपा को आईना दिखाने की बात कही। दरअसल, चरखी दादरी के गांव सांवड़ में पंवार खाप 32 की अगुवाई में सरपंच प्रतिनिधि गौरव चौबारला की अध्यक्षता में मंगलवार को राजपूत समाज की मीटिंग हुई। मीटिंग के बाद समाज के लोग गांव के बस स्टैंड पर पहुंचे और सीएम मनोहर लाल का पुतला दहन करते हुए प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा सरकार पर आपसी भाईचारा खराब करने का आरोप लगाते हुए कहा कि

कैथल में जिस प्रकार राजपूत समाज की भावनाओं पर प्रहार किया गया है, उससे भाजपा की राजपूत समाज विरोधी मंशा साफ झलकती है। सम्राट मिहिर भोज राजपूत राजा थे, लेकिन उनकी प्रतिमा पर गुर्जर सम्राट मिहिर भोज लिखवाना न केवल गलत, बल्कि राजपूत समाज को भड़काने की भी एक साजिश है, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे पंवार खाप के प्रतिनिधि गौरव चौबारला ने कहा कि भाजपा राजपूतों के इतिहास को चोरी कर दो समुदायों को भिड़ाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राजपूत इतिहास के साथ छेड़छाड़ नहीं होने देंगे और भाजपा जनप्रतिनिधियों का जमकर विरोध करेंगे।

मेरी फसल मेरा ब्यौरा स्कीम को सफल बनाने को लेकर खंड स्तर पर किये हैल्प डैस्क स्थापितः उपायुक्त

पानीपत। उपायुक्त डॉ. वीरेंद्र कुमार दहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि मेरी फसल मेरा ब्यौरा स्कीम को शत प्रतिशत कामयाब करने को लेकर प्रशासन पूरी तरह से गंभीर है। जिले के सभी खंडों में अभियान चलाकर किसानों को योजना के संदर्भ में जानकारी दी जा रही है। मेरी फसल मेरी ब्यौरा स्कीम के साथ जोडऩे व इसका लाभ प्रदान करने को खण्ड कार्यालय स्तर पर फसल पंजीकरण के लिए हैल्प डैस्क स्थापित किये गये हैं। खंड स्तर पर नॉडल अधिकारियों को नियुक्त किया गया है ताकि किसानों की इससे जुड़ी प्रकार की समस्या का मौके पर ही समाधान किया जा सके।

उपायुक्त ने बताया कि किसान मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर 31 जुलाई तक पंजीकरण करवा सकते हैं। अब तक जिले में 7323 किसानों ने 85,917 एकड़ का मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाया है। उपायुक्त ने बताया कि शनिवार व रविवार को भी अधिारी व कर्मचारी गांव-गांव जाकर

किसानों को जागरूक करेंगे।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक डॉ. वजीर सिंह ने बताया कि इस कार्य को लेकर विभाग काफी गंभीर है। मंगलवार उग्रा खेडी में जाकर किसानों को योजना के प्रति जागरूक करने का कार्य किया व उससे उनको होने वाले लाभों के प्रति जागरूक किया। विभाग के उप निदेशक ने बताया कि जब तक किसान अपनी फसल का पंजीकरण मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर नही करवायेंगे तब तक उनको किसी भी विभागीय स्कीम का लाभ नही मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि अगर किसान के खेत में नुकसान होता है तो उसकी भारपाई के लिए किसान को क्षतिपूर्ति पोर्टल पर पंजीकरण करवाने के लिए भी पहले मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकृत करवाना होगा। यदि किसान अपनी फसल का पंजीकरण मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर करवाता है तो उसको सरकार द्वारा 100 रुपये प्रति किसान प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी।

उप मण्डल कृषि अधिकारी, पानीपत डॉ. देवेन्द्र कुहाड ने बताया कि फसल पंजीकरण करवाने में अभी तक मतलौडा ब्लाक के 2151 किसानों ने 27820 एकड़ का मरी फसल मेरा ब्यौरा में पंजीकरण करवाया है जबकि खंड पानीपत के 1699 किसानों ने 16174 एकड़ का पंजीकरण करवाया है। उन्होंने बताया कि बापौली व पानीपत खंड में किसानों को काफी हद तक जागरूक किया जा चुका है। जिले में 56 के करीब अधिकारी व कर्मचारी लोगों को योजना के संदर्भ में जानकारी देने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं।

जिला के सभी खण्डों में लगाए जाएंगे रोजगार शिविरः रितु चहल

पानीपत। जिला रोजगार अधिकारी रितु चहल ने जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार विभाग द्वारा सिक्योरिटी स्किल काउंसलिंग इंडिया लिमिटेड कम्पनी के माध्यम से पानीपत जिला के सभी खण्डों में रोजगार शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों के माध्यम से सुरक्षाकर्मी एवं सुरक्षा सुपरवाईजर के पदों पर भर्तियां की जाएंगी।

उन्होंने बताया कि इन रोजगार शिविरों का बापौली खण्ड में 26 जुलाई को, सनौली खण्ड में 27 जुलाई को, इसराना खण्ड मं 28 जुलाई को और मडलौडा खण्ड में 1 अगस्त को, समालखा खण्ड में 2 अगस्त को, पानीपत खण्ड में 3 अगस्त को आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उक्त सभी शिविरों का आयोजन सम्बंधित खण्डों के बीडीपीओ कार्यालय में किया जाएगा। सभी रोजगार शिविरों का समय प्रात- 10 बजे से लेकर 2 बजे तक रहेगा। उन्होंने जिला के युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि इच्छुक युवा अपनी शैक्षिणक योग्यता, न्यूनतम 10वीं पास व

जिनकी उम्र 21 से 35 साल, लम्बाई 168 सेंटीमीटर और वजन 56 से 90 किलो तक हो अपने सम्बंधित दस्तावेजों सहित उक्त स्थल पर समय अनुसार पंहुचकर भर्ती शिविर का लाभ उठा सकते हैं।

उपायुक्त अनीश यादव ने स्मार्ट सिटी परियोजना के विकास कार्यों का किया औचक निरीक्षण

करनाल- उपायुक्त एवं केएससीएल के सीईओ अनीश यादव के नेतृत्व में करनाल शहर में स्मार्ट सिटी के प्रौजेक्ट तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। डीसी अनीश यादव सभी प्रोजैक्टों पर नजर बनाए हुए हैं। मंगलवार को उन्होंने मिक्सड यूज डेवलेपमेंट प्रोजैक्ट, कर्ण स्टेडियम तथा सेक्टर 32 में निर्माणाधीन इंडोर स्पोर्टस कॉम्पलैक्स में चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नक्शे की ड्राइंग के मुताबिक प्रोजेक्ट में इस्तेमाल की जा रही सरिए की गुणवत्ता और मात्रा को जांचा। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को प्रोजैक्ट को तेजी से पूरा करने के निर्देश भी दिए।

गौरततलब है कि मिक्सड यूज डेव्लेपमेंट प्रोजैक्ट शहर की प्रमुख शक्ति कॉलोनी में बन रहा है। पहले यहां नगर निगम तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यालय सहित महिला आश्रम व नारी निकेतन जैसे भवन थे, जो काफी पुराने और बेतरतीब दिखाई देते थे। लेकिन अब यहां अत्याधुनिक तकनीक से नए भवन बनाए जा

रहे हैं। बड़ा प्रोजैक्ट होने के नाते इस पर 106 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसमें 49 करोड़ रुपये की राशि, इस प्रोजैक्ट के कॉमर्शियल कॉम्पलैक्स पर खर्च होगी, शेष राशि से महिला आश्रम, नारी निकेतन और इसके दूसरे फेज के निर्माण कार्य किए जाएंगे। यहां तेजी से निर्माण कार्य जारी है। यहां दौरा कर रहे डीसी अनीश यादव ने अधिकारियों को ड्राइंग के मुताबिक सरिए की मात्रा और गुणवत्ता का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अधिकारी तेजी से निर्माण कार्य को पूरा करें और बेहतर गुणवत्ता वाली निर्माण सामग्री का इस्तेमाल करें।

कर्ण स्टेडियम में होस्टल, मल्टीपर्पज हॉल, स्टेज बिल्डिंग, एडमिन ब्लॉक व जिमनास्टिक हॉल का जल्द होगा निर्माण कार्य पूरा - डीसी।

डीसी अनीश यादव ने इसके बाद कर्ण स्टेडियम में निर्माणाधीन अलग-अलग प्रोजैक्ट का भी निरीक्षण किया। यहां भी उन्होंने निर्माण सामग्री के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बता दें कि कर्ण स्टेडियम में कुल 36 करोड़ की लागत से विभिन्न प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य जारी है। इनमें पहले फेज में घोषित होस्टल, मल्टीपर्पज हॉल, स्टेज बिल्डिंग, एडमिन ब्लॉक, वहीं दूसरे फेस में घोषित जिमनास्टिक हॉल का निर्माण कार्य शामिल है। सैक्टर 32 स्थित इंडोर स्पोर्टस कॉम्पलैक्स का कार्य प्रगति पर - उपायुक्त।

उपायुक्त अनीश यादव ने सैक्टर 32 स्थित इंडोर स्पोर्टस कॉम्पलैक्स के तहत निर्माणाधीन स्वीमिंग पूल और बैडमिंटन व स्कवैश कोर्ट के कार्यों का निरीक्षण कर प्रगति का जायजा लिया तथा सभी कार्यों को स्पीड अप करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बताया कि ओलम्पिक आकार के 2 स्वीमिंग पूल के स्ट्रक्चर तैयार हो गए हैं। बड़ा पूल 50 बाई 25 मीटर तथा छोटा वॉर्म अप पूल 25 बाई 21 के आयताकार में बनाया गया है। इसके साथ ही बिल्डिंग के काम भी शुरू हो गए हैं, जिसमें उक्त खेलों के कोर्ट बनकर तैयार होंगे। शौचालय व जिम की सुविधा भी रहेगी। उन्होंने इस दौरान निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि से भी बात की जिसने बताया कि इस प्रोजैक्ट के अलग-अलग कार्यों में टीमें भी अलग-अलग लगाई गई हैं ताकि यह तय समय में पूरा किया जा सके। इसी प्रकार स्वीमिंग पूल की उत्तरी दिशा में सीटिंग एरिया की बिल्डिंग पर भी काम चल रहा था। बता दें कि स्वीमिंग पूल का प्रोजैक्ट 2 एकड़ में है और इस पर 33 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस मौके पर स्मार्ट सिटी परियोजना के जीएम रामफल, जीएम प्लानिंग पूर्णिमा, एसडीओ एसके कंसल, केजी गोयल मौजूद रहे।

हेल्थ प्लस

नियम से ही भोजन करें

- प्रातः का नाश्ता भारी, दिन का खाना सही और रात को हल्का भोजन करना चाहिए।
- यदि दिन का भोजन रात्रि तक पचा हुआ महसूस न हो तो ऐसे में रात्रि में केवल खिचड़ी या फल और दूध लें।
- भोजन करने से पहले अच्छी तरह हाथ, मुंह धोकर भोजन करें।
- जब भूख जोर से लगी हो, उस समय खाली जल पीना भी नुक्सान पहुंचाता है। ऐसे में यदि खाना उपलब्ध होने में देर लगे तो एक बिस्कुट के साथ एक गिलास पानी पी लें।
- प्रयास करें कि भोजन नियमित समय पर ही खाएं।
- दोपहर के भोजन में दही, मट्ठा और लस्सी लेना उचित है। रात्रि के भोजन में इन चीजों से परहेज करना चाहिए।
- बासी और जला हुआ खाना स्वास्थ्य को लाभ के स्थान पर हानि पहुंचाता है। ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए अति उत्तम माना जाता है।

- भोजन शांत मन से बनाएं, खिलाएं और खाएं। भोजनोपरांत क्रोध करना स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डालता है।
- अपने पेट को 'डस्टबिन' समझ कर उसमें सब कुछ मत ठूंसें। भूख से कम भोजन खाना चाहिए।
- रात्रि का भोजन कम से कम सोने से 2 घंटे पूर्व करें। दिल के मरीजों को भोजन के बाद टहलना नहीं चाहिए।
- भोजन के बीच में थोड़ा पानी पिएं। भोजनोपरांत पानी मत पिएं। कम से कम एक घंटे बाद पानी का सेवन करें।
- भोजन चबा कर खाना चाहिए। शीघ्र भोजन करना शरीर में अपच पैदा करता है।
- जहां भोजन खा रहे हैं, ध्यान रखें, वह स्थान स्वच्छ होना चाहिए।
- प्रयास करें कि टी.वी. देखते समय भोजन न खाएं क्योंकि भोजन की अधिक मात्रा शरीर में चली जाती है।
- भोजन के तुरंत पश्चात व्यायाम न करें।

मेथीदाना छोटा मत समझो

- मेथीदाने में आयरन भरपूर मात्रा में होता है। इससे खून की कमी से लड़ा जा सकता है।
- मेथीदाने को पानी में उबाल कर गरारे करें। खराब गला ठीक हो जाएगा।
- दो चम्मच मेथीदाने को एक कप चावल के साथ पकाएं और हल्का नमक मिला कर 15 दिन तक खाएं। इससे शरीर में खून की कमी में सुधार होगा।
- 2 चम्मच मेथीदाने के पाऊडर को रोज दूध के साथ 1 महीने तक खाएं। शूगर की बीमारी के शुरूआती दिनों में आराम मिलेगा।
- लिवर खराब होने पर मेथीदाने को अंकुरित करें और रोज सुबह नाश्ते में खाएं।
- 2 चम्मच मेथीदाने को नारियल पानी या छाछ में कुछ घंटे भिगो कर रखें। इसे पीने से पेचिश में आराम मिलता है।
- अल्सर या छाला होने पर मेथीदाने को पीस कर पेस्ट बनाएं और छालों पर लगाएं।
- स्तनपान कराने वाली माएं आधा चम्मच मेथीदाने के पाऊडर को दलिए में मिला कर खाएं। इससे बच्चे को दूध की मात्रा अधिक मिलेगी।

अमृतफल है आंवला

आंवला खूबसूरती में चार चांद लगाता है। इससे ढीली पड़ती त्वचा में कसाव आता है और झुर्रियां भी नहीं पड़ती।

- कब्ज होने पर 1 चम्मच सूखा आंवला पानी में भिगोएं और सुबह छान कर उसमें शहद मिलाकर पिएं।
- यूरीन की समस्या से ग्रस्त होने पर 2 चम्मच सूखा आंवला और किशमिश पानी में भिगोएं। अगले दिन उसको मसल कर छान लें, फिर उस पानी को पिएं। कुछ दिनों तक इसका सेवन करने से समस्या में आराम मिलता है।
- सिर दर्द या सिर के भारी होने पर ताजे आंवले को पीस कर उसका पेस्ट सिर पर लगाएं। दर्द में आराम मिलेगा।
- मुंह में छाले होने पर आंवले की छाल पीस कर पाऊडर बना लें। उसमें शहद मिलाकर छालों पर लगाएं।
- त्वचा की समस्या होने पर आंवले का पाऊडर साबुन की जगह इस्तेमाल करें।
- याददाश्त कम होने पर 1 छोटा चम्मच सफेद तिल और 1 चम्मच आंवले की जड़ का पाऊडर बराबर मात्रा में मिलाएं। इस मिश्रण को 1 चम्मच शहद के साथ कुछ समय तक खाएं। स्मरण शक्ति में लाभ मिलेगा।

स्वस्थ रहें

ब्लड प्रैशर, डायबिटीज, हृदयरोग, पेट संबंधी रोग आजकल आम होते जा रहे हैं। शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा मिलेगा जो किसी न किसी रोग से ग्रस्त न हो।

आजकल का रहन-सहन, उलटा-सीधा खाना, पदार्थों में मिलावट, समय से न खाना आदि अनेक कारणों से भी रोग हो रहे हैं।

रोग होने पर इलाज कराना जरूरी है। इलाज के लिए डाक्टर के पास जाएं। हम अगर कुछ बातों पर ध्यान दें तो काफी हद तक रोग को दूर रख सकते हैं :

- रोज सुबह घूमने जाएं। योग या अन्य व्यायाम नियमित करना हितकर है।
- खाना समय पर ही खाएं। बाजार की तेज मसाले वाली और बासी चीजें खाने से बचें। हर समय मुंह न चलाते रहें।
- पैदल चलने की आदत डालें। कम दूरी के लिए स्कूटर या अन्य वाहन का सहारा लेना सही नहीं है।
- खाने में हरी सब्जियों का प्रयोग ज्यादा करें। चिकनाई व कोलैस्ट्रॉल बढ़ाने वाली चीजें कम खाएं।
- मौसम के अनुसार फलों का सेवन जरूर करें।
- खाने के साथ सलाद लेने की आदत डालें।
- संयम, संतुलित आहार, शारिरिक श्रम से हम काफी हद तक बीमारियों को अपने से दूर रख सकते हैं।
- व्यायाम के साथ-साथ पौष्टिकता से भरपूर भोजन लेने से आपका शरीर स्वस्थ, सुन्दर एवं आकर्षक लगने लगेगा।
- खाने-पीने की आदतों में सुधार लाएं।

सेहत के लिए वरदान हैं पत्तियां

प्राचीन काल से पेड़-पौधे मानव जीवन का महत्वपूर्ण अंग रहे हैं। पेड़ों के फल व फूल जहां मानव का पेट भरने व मानसिक शांति प्रदान करने में सहायक हैं, वहीं पत्तियों की भी हमारे जीवन में विशेष भूमिका है। ये मानव के स्वास्थ के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। अधिकांश लोग इस बात से अपरिचित हैं कि पत्तियों का प्रयोग औषधि के रूप में भी किया जाता है।

- नीम की पत्तियों से साबुन व टूथपेस्ट बनाए जाते हैं। इसकी पत्तियों को पानी में उबालकर उस पानी से नहाने से खुजली आदि में आराम मिलता है। नीम की पत्तियों को सुबह चबा कर खाने से खून साफ होता है व कील-मुंहासे नहीं निकलते हैं। झाइयां व दाग-धब्बे दूर करने में नीम की पत्तियों का लेप लाभप्रद है।

- मुंह के छाले होने पर मेहंदी के पत्ते को पानी में उबालकर उस पानी से गरारे करें। इसके पत्तों को पीस कर सिर पर मलने से सिरदर्द व आंखों की जलन में राहत मिलती है।
- पालक के पत्ते पेट को साफ रखने में सहायक हैं। इसके पानी से गरारे करने से गले के दर्द में आराम मिलता है। पालक के पत्तों में मौजूद कैल्शियम दांतों व मसूड़ों को मजबूत बनाता है। इसके नियमित प्रयोग से कब्ज की बीमारी से मुक्ति मिलती है। पालक में विटामिन-ए विशेष मात्रा में होता है। इससे आंखों की ज्योति बढ़ती है।
- पेचिश रोग होने पर अमरूद के पत्तों का रस उबाल कर पिएं।
- दांत के दर्द में अमरूद की पत्तियां चबाने से आराम मिलता है।
- नेत्र-ज्योति में वृद्धि करने हेतु बंदगोभी के पत्तों को सलाद के रूप में नियमित प्रयोग करें।
- मूली के पत्तों का रस पथरी रोग में लाभप्रद है।
- सिरदर्द होने पर हरे धनिये के पत्तों का रस नाक में टपकायें।
- नींबू के रस में मेथी के पत्तों को पीसकर बालों में लगाने से बाल घने, काले व मुलायम हो जाएंगे।
- तुलसी की 2-3 पत्तियों को प्रतिदिन खाली पेट खाने से स्मरण शक्ति में वृद्धि होती है। शहद के साथ तुलसी के पत्ते खाने से खांसी दूर होती है।
- बुखार व बदन दर्द में इसके पत्तों का काढ़ा बना कर पिएं।
- पान के पत्ते पर घी लगाकर जख्म को सेकने से उसमें मवाद आसानी से निकल जाता है।
- आम की पत्तियों में फ्लोराइड होता है अतः इन्हें चबाने से दांत चमकदार व मजबूत रहते हैं।
- करेले के पत्तों का रस पेट के कीड़ों को नष्ट करता है।
- गुर्दे के दर्द में अंगूर के पत्तों का रस थोड़े से पानी में उबालकर काले नमक के साथ पिएं।

सुबह की सैर

सुबह की सैर एक उत्तम व्यायाम है। इससे शरीर की समस्त इंद्रियां चुस्त-दुरूस्त रहती हैं। सैर करने से शरीर की अनावश्यक चर्बी घटती जाती है और बदन सुडौल व स्वस्थ बना रहता है। सैर हमेशा शौचादि क्रिया से निवृत्त होकर करनी चाहिए। जहां तक संभव हो हरियाली वाले क्षेत्र यानी बाग-बगीचे में ही सैर करें। हरी घास पर नंगे पैर चलने से आंखों की ज्योति बढ़ती है। घुटनों में जकड़न या दर्द हो, आर्थराइटिस या गठिया रोग हो तो नियमित रूप से सैर करने से पीड़ित व्यक्ति को फायदा पहुंचता है। जो लोग हृदय रोग के शिकार हैं उनके लिए पैदल चलना सबसे अच्छा व्यायाम है। उन्हें साधारण गति से पैदल चलना चाहिए। इससे हृदय की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है और हृदय सुचारू रूप से कार्य करता है। सुबह की सैर से पाचन तंत्र ठीक रहता है। पेट संबंधी रोग व स्वास्थ्य की दुश्मन कब्ज भी दूर होती है। नियमित सैर करने से शरीर की ही नहीं दिमाग की कार्यकुशलता भी बढ़ती है। सैर करते समय तंग कपड़े नहीं पहनने चाहिएं और न ही सैंडिल या तंग जूते। बीमार व्यक्ति को सैर नहीं करनी चाहिए। पैदल चलने से ऊर्जा नष्ट होती है जिससे बीमार व्यक्ति और सैर नहीं करनी चाहिए। पैदल चलने से ऊर्जा नष्ट होती है जिससे बीमार व्यक्ति और अधिक थक जाता है। इससे उसके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 2897

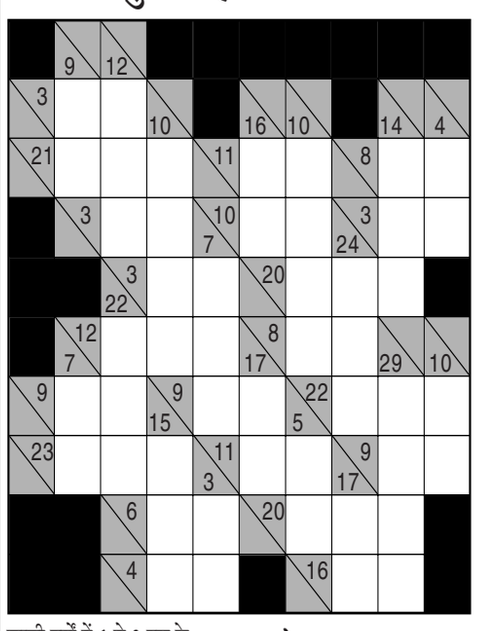

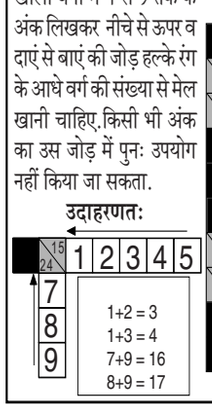

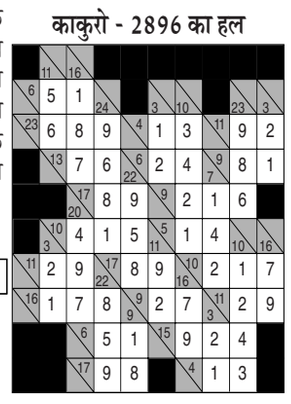

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2896 का हल

लॉफिंग जोंस

शादी के सीजन में जगह-जगह शादी में आने-जाने के कारण रमन के पास कपड़ों की कमी-सी हो जाती? है, फिर भी वो कुछ मैनेज करके अपने खास दोस्त की शादी में जाता है, वहाँ पर दोस्त के अंकल उससे पूछते है- बेटे! ये शर्ट तो बहुत अच्छी है!

रमन- जी, मेरी नहीं है।
अंकल- पैंट भी बहुत अच्छी है।
रमन- ये भी मेरी नहीं है।
अंकल- तो फिर किसकी है?
रमन- लाँड्री वाले की..!

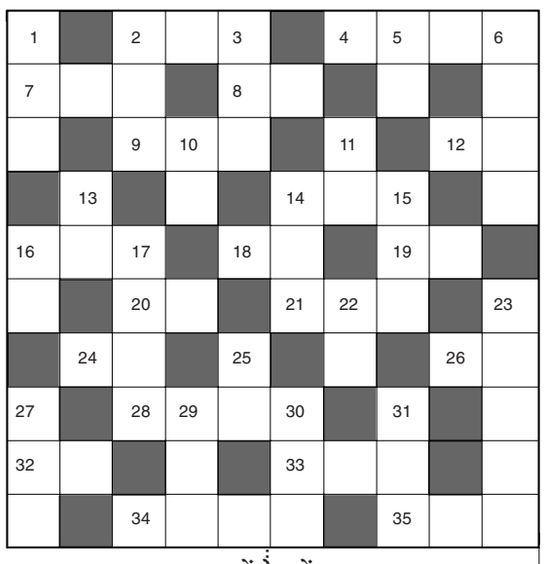

रमन सर्कस देखकर आने के बाद अपने दोस्त से मिलने गया तो उससे कहा- यार! सर्कस में एक मोटी औरत एक दुबले जोकर को खूब मारती रहती है और वह सिर्फ हँसता ही रहता है।

परेश बोला- यार तू बता इसमें नया क्या है? यह तो मेरे घर में रोज ही होता है।

एडवोकेट (गवाह से)- अच्छा तो अब सही-सही बता दो फटाफट, नरेश की मौत आखिर हुई कैसे?

गवाह घबरा कर बोला- बड़ा ही भुलक्कड़ था हुजूर! हो सकता है घटना के समय वह साँस लेना भूल गया हो।

फिल्म वर्ग पहेली - 2897

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथनु, आयशा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 2896

सूडोकु -2897

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

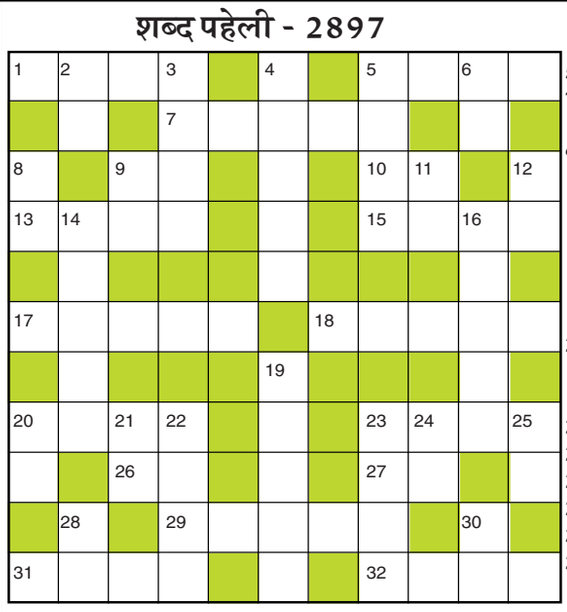

सूडोकु -2896 का हल

शब्द पहेली - 2897

बाएँ से दाएँ

1.सफल,उत्तीर्ण-4
5.ओस,रजनीजल-4
7.फरार होना,चंपत होना, पलायन करना-5
9.महीना,मास-2
10.साल का बारहवां भाग-2
13.पुचकारना-4
15.विष्णु,चक्रधारी-4
17.निरुत्तर होना-5
18.अपनत्व-5
20.असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता हैं-4
23.निकृष्ट,अल्पतर-4
26.अंधकार-2
27.बुरा आदत-2
29.रसायन संबंधी-5
31.ब्राम्हण,सम्राट-4
32.गजानन,गणपति-4

ऊपर से नीचे

2.मां,आई,मदर-2
3.बारिश का गिरना-4
4.निर्माता,रचयिता-5
5.लज्जाना -4
6.मुलायम-2
8.उम्मीद-2
9.हार,जयमाल-2
11.हरे रंग का-2
12.वचन,प्रतिज्ञा-2
14.हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
16.जनेऊ,उपनयन संस्कार-5
19.विलेन,नायक का विलोम-5
20.बादल-2
21.बुरी आदत-2
22.यम,मृत्यु का देवता-4
23.पानी के बहने की आवाज-2,2
24.वोट,अभिमत-2
28.इस जगह-2
30.कारावास,बंधन-2

शब्द पहेली - 2896 का हल

सोने और चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेल बाजार में बुधवार को सोने और चांदी में तेजी रही। सोने की कीमत 60,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर पहुंच गयी हैं। वहीं चांदी की कीमतें 77 हजार रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 150 रुपये ऊपर आकर 60,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया जबकि गत कारोबारी सत्र में सोना 60,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था।दूसरी ओर चांदी की कीमतें भी 300 रुपये बढ़कर 77,000 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। बाजार जानकारों के अनुसार डॉलर इंडेक्स 100.75 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले बंद के मुकाबले 0.19 फीसदी कम था। इससे सोने की कीमतों को बढ़ावा देने में सहायता मिली।''

टेस्ला के अधिकारी वाणिज्य मंत्री से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली । कथित तौर पर एलन मस्क-टेस्ला के प्रतिनिधियों के इस महीने की शुरुआत में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मिलने की उम्मीद है, ताकि 20 लाख रुपए की इलेक्ट्रिक कार बनाने की सुविधा तैयार की जा सके, क्योंकि चीन नई दिल्ली में 1 अरब डॉलर की लागत से संयंत्र बनाने के लिए बीवाईडी समूह की बोली को खारिज किए जाने से नाराज है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि गोयल के साथ उच्चतम स्तर की बैठक होगी, क्योंकि मस्क ने पिछले महीने अमेका में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी और कहा था कि वह जल्द से जल्द टेस्ला को भारत लाने की योजना बना रहे हैं। टेस्ला ने अभी तक रिपोर्ट पर टिप्पणी नहीं की है। अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला ने घरेलू बिक्री और निर्यात के लिए इलेक्ट्रिक कार बनाने के लिए भारत में एक कारखाना स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। इस बीच, जैसा कि सरकार मस्क की टेस्ला का स्वागत करने के लिए तैयार है, केंद्र ने कथित तौर पर देश में 1 अरब डॉलर की चार-पहिया विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की चीनी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की दिग्गज कंपनी बीवाईडी मोटर्स की योजना को खारिज कर दिया है।

पेटीएम ने सस्ते भाव पर टमाटर बेचने ओएनडीसी और एनसीसीएफ से की साझेदारी

नई दिल्ली । पेटीएम ई-कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड (पीईपीएल) ने कहा कि उसने दिल्ली-एनसीआर में 70 रुपए ` किला टमाटर बेचने ओएनडीसी और एनसीसीएफ के साथ साझेदारी की है। केंद्र सरकार की ओर से सहकारी समितियां राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) और नेफेड पहले से ही दिल्ली-एनसीआर और कुछ चुनिंदा शहरों में मोबाइल वैन के माध्यम से खुदरा उपभोक्ताओं को 70 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर टमाटर बेच रही हैं। पीईपीएल ने कहा कि वह दिल्ली-एनसीआर में पेटीएम ओएनडीसी पर उपयोगकर्ताओं के लिए राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) के माध्यम से 70 रुपए प्रति किलोग्राम की दर पर टमाटर बेचेगी। इसके साथ उपयोगकर्ता पेटीएम ऐप पर ओएनडीसी के माध्यम से मुफ्त डिलिवरी के साथ केवल 140 रुपये में प्रति सप्ताह पर दो किलोग्राम टमाटर खरीद सकते हैं। बयान में कहा गया है कि इस कदम से उपयोगकर्ताओं को फायदा होगा क्योंकि कुछ शहरों में टमाटर की खुदरा कीमतें 200 रुपए प्रति किलोग्राम से अधिक हो गई हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा` कि टमाटर जैसी रसोई की आवश्यक चीज की बढ़ती कीमतें देश भर में कई लोगों को प्रभावित कर रही हैं। एनसीसीएफ और ओएनडीसी के बीच इस सहयोग से दिल्ली-एनसीआर में हमारे उपयोगकर्ता अब आसानी से सस्ती कीमतों पर टमाटर प्राप्त कर सकते हैं। सकती है और यहां तक कि बढ़ भी सकती है।

रियलमी सी 51 को ताइवान में लॉन्च

- भारत में धूम मचाएगा ये फोन

नई दिल्ली । रियलमी सी 51 को ताइवान में लॉन्च किया गया है। यह पफोन अब भारत में भी धूम मचाने के लिए तैयार है। रियलमी सी 51 के भारत में लान्च होने से पहले ही इसके फीचर्स सामने आ गए हैं। यह फोन दो रंगों कार्बन ब्लैक और मिंट ग्रीन में मिलने वाला है। यह 90 एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 6.7-इंच डिस्प्ले और 33डब्ल्यू सुपर वीओओसी चार्जिंग सपोर्ट के साथ 5,000 एमएएच की बैटरी से लैस है। फोन में 50 मेगा पिक्सल का प्राइमरी कैमरा है। यह ऑक्टा-कोर प्रोसेसर से लैस है। ताइवान में यह फोन 25 जुलाई से सेल के लिए पेश हो जाएगा। वहीं, भारत में कब लॉन्च होगा, इसकी जानकारी सामने आना बाकी है। उम्मीद है कि यह फोन जल्द इंडियन मार्केट में दिखाई देगा। वहीं अगर कीमत की बात करें तो ताइवान में 3,990 टीडब्ल्यूडी यानी कि लगभग 10,400 रुपए में बिकने वाला है। ऐसे में बहुत ही कम कीमत के साथ यह फोन ग्राहकों को अपनी ओर खींचने वाला है। भारत में भी इसकी कीमत 10 से 11 हजार के बीच हो सकती है। वहीं अगर अन्य फीचर्स की बात करें तो फोन में साइड-माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर, 3.5 एमएम ऑडियो जैक, बॉटम-पोर्टेड स्पीकर है। इसमें डुअल 4जी वोल्ट, वाई-फाई 802.11 एसी (2.4 जीएचझेड + 5जीएचझेड), ब्लूटूथ 5.=0, जीपीएस + ग्लोनास और यूएसबी टाइप-सी पोर्ट है। टिप्स्टर पारस गुगलानी ने इसके सभी स्पेसिफिकेशंस का जिक्र करते हुए ट्विटर पर कहा कि रियलमी सी51 जल्द भारत में लॉन्च होने वाला है। रियलमी सी51 6.7-इंच एचडी (720 एक्स1,600) डिस्प्ले वाला है जिसमें 90एचझेड रिफ्रेश रेट, 180एचझेडटच सपोर्टिंग रेट और 560 नीटस पीक ब्राइटनेस है। ऑक्टा-कोर यूनिसोक टी 612 एसओसी के साथ 4जीबी रैम और 64जीबी इनबिल्ट स्टोरेज दी गई है।

इस साल भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रहने का अनुमानः आईएमएफ

मुंबई । अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने इस साल भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। यह अप्रैल में जताये गये अनुमान के मुकाबले 0.2 प्रतिशत अधिक है। आईएमएफ ने कहा कि ताजा अनुमान मजबूत घरेलू निवेश के परिणामस्वरूप 2022 की चौथी तिमाही में उम्मीद से कहीं बेहतर आर्थिक वृद्धि की गति आगे भी जारी रहने का संकेत देता है। रिपोर्ट के अनुसार हालांकि वैश्विक स्तर पर वृद्धि दर 2022 के 3.5 प्रतिशत के अनुमान के मुकाबले 2023 और 2024 में कम होकर तीन प्रतिशत रहने की संभावना है। हालांकि, 2023 के लिए अनुमान इस साल अप्रैल में जताये गये अनुमान से कुछ बेहतर है लेकिन ऐतिहासिक मानदंडों के आधार पर वृद्धि दर कमजोर बनी हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुद्रास्फीति को काबू में लाने के लिये केंद्रीय बैंक के नीतिगत दर में वृद्धि से आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ा है। वैश्विक स्तर पर खुदरा मुद्रास्फीति 2022 के 8.7 प्रतिशत से घटकर 2023 में 6.8 प्रतिशत और 2024 में 5.2 प्रतिशत पर आने की संभावना है। मुद्राकोष ने कहा कि अमेरिका में कर्ज सीमा को लेकर गतिरोध के हाल में समाधान और इस साल की शुरुआत में अमेरिका तथा स्विट्जरलैंड में कुछ बैंकों के विफल होने के बाद उद्योग में उथल-पुथल रोकने के लिये अधिकारियों के कड़े कदम से वित्तीय क्षेत्र में उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हुआ है। इससे परिदृश्य को लेकर जोखिम कुछ कम हुआ है। हालांकि, वैश्विक वृद्धि को लेकर जोखिम अभी बना हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर और झटके आते हैं, तो मुद्रास्फीति ऊंची बनी रह सकती है और यहां तक कि बढ़ भी सकती है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 351 , निफ्टी 97 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। इसी के साथ ही बाजार में पिछले दिनों से जारी गिरावट पर रोक लग गयी। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) हावी होने से आया है। इसके अलावा विदेशी पूंजी निवेश और अमेरिकी बाजारों में आई तेजी से भी घरेलू बाजार को बल मिला। इन्फ्रास्ट्रक्चर, बैंक और पेट्रोलियम कंपनियों के शेयरों में लिवाली से भी बाजार में तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 351.49 अंक अंक करीब 0.53 फीसदी की बढ़त के साथ ही 66,707.20 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान यह 541.56 अंक ऊपर आकर 66,897.27 अंक तक चला गया था। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 97.70 अंक तकरीबन 0.50 फीसदी की बढ़त के साथ ही 19,778.30 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में लार्सन एंड टुब्रो के शेयर सबसे अधिक ऊपर आये। इसके अलावा आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज , सन फार्मा , कोटक महिंद्रा बैंक , एक्सिस बैंक , इन्फोसिस और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी उछले। है।

वहीं बजाज फाइनेंस, बजाजा फिनसर्व , महिन्द्रा व महिन्द्रा, टेक महिन्द्रा, एशियन पेंटस और टाइटन शामिल हैं।

एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरा है। यूरोपीय बाजारों की बात करें तो शुरुआती कारोबार में गिरावट रही। अमेरिकी बाजार मंगलवार को बढ़त में रहे थे। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.72 फीसदी की गिरावट के साथ 83 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सुबह सेंसेक्स 79.01 अंक की बढ़त के साथ 66,434.72 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। जबकि निफ्टी 45.55 अंक बढ़त के साथ 19,726.05 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार में गिरावट दिखी है। सेंसेक्स 317.18 अंक की गिरावट के साथ 66,038.53 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। जबकि निफ्टी 123.40 अंक की गिरावट के साथ 19,557.20 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 18 पैसे की गिरावट के साथ 82.06 पर बंद हुआ। ही कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और अन्य मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने से बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया सात पैसे टूटकर 81.95 प्रति डॉलर पर आ गया। फॉरेक्स डीलरों ने कहा कच्चे तेल के दाम 83 डॉलर प्रति बैरल के पार हैं। इसके अलावा फेडरल रिजर्व के ब्याज दर निर्णय से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 81.89 पर खुला और फिर बढ़त के साथ 81.87 के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद यह टूटकर 81.96 प्रति डॉलर के भाव पर आ गया। बाद में यह 81.95 प्रति डॉलर के स्तर पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले बंद भाव की तुलना में सात पैसे की गिरावट है।

बायजू ने एनसीआर-बंगलूरू में बंद किया कार्यालय

- जून में जमा कराया सिर्फ 780 कर्मचारियों का पीएफ

नई दिल्ली ।

एडटेक कंपनी बायजू 2,000 कर्मचारियों को निकालने के बाद अब कार्यालय भी बंद कर रही है। इसने एनसीआर व बंगलूरू के कुछ कार्यालय बंद कर दिए हैं। नोएडा कार्यालय भी इसी माह बंद हो सकता है। उधर बायजू ने सिर्फ 738 कर्मचारियों का ही जून में 14.6 लाख रुपए का पीएफ भुगतान किया है। एक कर्मचारी ने बताया` कि कंपनी ने गुरुग्राम सेक्टर 44 के कार्यालय को बंद कर दिया है। यहां के कर्मचारियों को बंगलूरू या कंपनी के ट्यूशन सेंटर (बीटीसी) में जाने को कहा गया है। बीटीसी के 302 केंद्र 143 इलाकों में हैं। एक अन्य कर्मचारी ने कहा कि कंपनी बंगलूरू के कल्याणी टेक पार्क में स्थित कार्यालय भी बेच रही है। प्रेस्टीज टेक पार्क परिसर में कार्यालय की नौ मंजिलों में से दो को खाली किया जा रहा है। पूरे देश में इसके पास कार्यालय की 30 लाख वर्ग फुट जगह है। बायजू के एक निवेशक ने कहा कि कंपनी ने रिपोर्टिंग और गवर्नेंस को पूरी तरह विकसित नहीं किया है। उसके पूर्व निदेशक के बार-बार प्रयासों के बावजूद उसने सलाह की उपेक्षा की। इस साल बायजू का मूल्यांकन 22 अरब डॉलर से घटाकर 5.1 अरब डॉलर कर दिया है। उन्होंने कहा कि उसके निदेशक ने पिछले महीने बायजू के बोर्ड से हटने का निर्णय इसलिए किया, क्योंकि वह कंपनी व उसके हितधारकों के दीर्घकालिक हितों की रक्षा करने के अपने कर्तव्य को पूरा करने में असमर्थ थे। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के आंकड़ों से पता चलता है कि बायजू ने अप्रैल-मई का पीएफ जमा नहीं कराया। जनवरी, फरवरी और मार्च के लिए कंपनी ने सिर्फ 10,000-13,000 कर्मचारियों का ही पीएफ जमा कराया। 27 जून को ईपीएफओ को भेजे गए मेल में बायजू ने कहा कि कंपनी ने मई तक पीएफ भुगतान का निपटान कर दिया है।

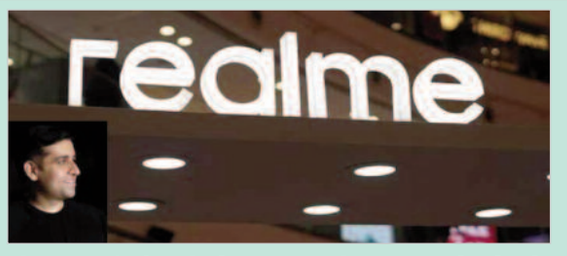

रियलमी के निदेशक सहित 12 लोगों ने दिया इस्तीफा!

नई दिल्ली । स्मार्टफोन विनिर्माता रियलमी इंडिया के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों से हित लगभग 12 लोगों ने इस्तीफा दे दिया है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि रियलमी से इस्तीफा देने वाले सभी लोग कंपनी के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के साथ दूसरी कंपनी से जुड़ने वाले हैं। वह हाल ही में ऑनर टेक कंपनी का हिस्सा बने हैं। एक सूत्र ने कहा कि रियलमी इंडिया में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों ने इस्तीफा दिए हैं जिनमें कुछ निदेशक भी शामिल हैं। सूत्रों के मुतो बिक ये लोग ऑनर टेक कंपनी में माधव सेठ के साथ जुड़ गए हैं। सूत्रों के मुताबिक इस्तीफा देने वाले लोगों में रियलमी के पूर्व निदेशक (बिक्री) दीपेश पुनमिया भी शामिल हैं। पुनमिया ऑनर टेक में सहायक उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। इस बारे में टिप्पणी के लिए भेजे गए ईमेल का रियलमी की तरफ से कोई जवाब नहीं मिला है।

सभी खाद्य पदार्थों की कीमतों पर सरकार की नजरः केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री

नई दिल्ली ।

केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि सरकार सभी आवश्यक खाद्य पदार्थों की कीमतों के साथ-साथ मांग-आपूर्ति की स्थिति पर करीबी नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के हितों को संतुलित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार ने कीमतों और उपलब्धता की स्थिति की नियमित निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया है। चौधरी ने खाद्य मुद्रास्फीति और गैर-बासमती सफेद चावल पर हाल के निर्यात प्रतिबंध के बारे में कहा` कि सरकार खाद्य पदार्थों की कीमतों और उपलब्धता की निगरानी कर रही है। सरकार घरेलू उपलब्धता को बढ़ाने और कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए उपाय करती है। वह भारतीय डाक के सहयोग से मोटे अनाज पर आईटीसी के डाक टिकट की पेशकश करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मांग-आपूर्ति की स्थिति और खुदरा कीमत के आधार पर सरकार निर्यात शुल्क लगाने या निर्यात रोकने का फैसला करती है। मंत्री ने कहा कि देश में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति के मोर्चे पर कोई समस्या नहीं है। सरकार उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के हित को देखती है और संतुलन बनाने की कोशिश करती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जून में खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति 4.49 प्रतिशत थी, जो मई के 2.96 प्रतिशत से अधिक है! खाद्य वस्तुओं का सीपीआई (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) में लगभग आधा हिस्सा होता है! आंकड़ों से पता चला कि मसालों के मामले में मूल्यवृद्धि की वार्षिक दर 19.19 प्रतिशत, अनाज और उत्पादों में 12.71 प्रतिशत, 'दालों और उत्पादों' में 10.53 प्रतिशत और अंडे में सात प्रतिशत थी! सालाना आधार पर जून में फल भी थोड़े महंगे रहे!

यूपी में पेट्रोल महंगा, राजस्थान में सस्ता

- ब्रेंट क्रूड 83.33 डालर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को हल्की गिरावट देखने को मिल रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.28 डॉलर गिरकर 79.35 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड खबर लिखे जाने तक 0.31 डॉलर की गिरावट के साथ बदलाव के 83.33 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। बुधवार को उत्तर प्रदेश में पेट्रोल और डीजल 53 पैसे महंगा हो गया है। हरियाणा में पेट्रोल 42 पैसे और डीजल 41 पैसे महंगा हुआ है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और पंजाब में भी पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए हैं। वहीं राजस्थान में पेट्रोल 55 पैसे और डीजल 50 पैसे सस्ता हुआ है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और हिमाचल प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल के दाम में हल्की गिरावट है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.73 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 90.14 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.47 रुपए और डीजल 89.66 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

तीन जबर्दस्त मोटरसाइकिलें लॉन्च

- कई कंपनियों ने गर्मा दिया बाजार का माहौल

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो के साथ हार्ले और बजाज के साथ ट्रायम्फ मोटर्स ने अलग-अलग तीन मोटरसाइकिलों को लॉन्च की है जिससे भारतीय दुपहिया वाहन के बाजार का माहौल गर्मा दिया। देश की सबसे पुरानी और बेहतरीन बाइक बनाने वाली कंपनी अपनी 350 सीसी सेगमेंट की उतनी ही पुरानी मोटरसाइकिल की नई जनरेशन लॉन्च करने जा रही है। इस मोटरसाइकिल को झुकाने के लिए कई कंपनियों ने जोर लगाया लेकिन 1931 में लॉन्च हुई ये बाइक 91 सालों से देश में अपना परचम लहराए है। यहां पर हम बात कर रहे हैं रॉयल एन्फील्ड की बुलेट 350 मोटरसाइकिल की। क्लासिक रेट्रो लुक को अभी तक बरकरार रखने वाली बुलेट अपनी दमदार आवाज के साथ ही परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती रही है। एक समय ऐसा भी था जब पुलिस और आर्मी व्हीकल के तौर पर केवल बुलेट ही ऐसी मोटरसाइकिल थी जिस पर भरोसा किया जा सकता था। वहीं यूथ की आइकॉनिक बाइक भी हमेशा यही रही। सबसे पहले इसको टक्कर देने के लिए यामाहा ने आरडी 350 को लॉन्च कर एड़ी चोटी का जोर लगाया लेकिन मामला ढाक के तीन पात का ही निकला और यामाहा ने आगे चल कर अपनी बाइक को डिस्कंटिन्यू कर दिया। अब बात नई बुलेट 350 की। कंपनी इस मोटरसाइकिल की नई जनरेशन को जल्दी ही लॉन्च करने जा रही है। कंपनी इसकी क्लासिक थीम को एक बार फिर पूरी तरह से रिडिजाइन कर लाने वाली है। बाइक के डिजाइन की बात की जाए तो ये अब बड़े क्रोम फेंडर के साथ आएगी। इसका टैंक ट्रेडिशनल टियरड्रॉप शेप में आएगा। बुलेट को रेट्रो लुक देने के लिए एक बार फिर विंटेज स्टाइल सिंगल पीस सीट दी जाएगी। नई बुलेट स्पोक व्हील्स के साथ वही पुराना लुक देगी। इसमें ट्रेडिशनल फ्रंट टेलीस्कोपिक फॉर्क और रियर डुअल शॉक दिया जाएगा। हालांकि ब्रेकिंग को सही करते हुए कंपनी इसके फ्रंट में डिस्क ब्रेक देगी और रियर ड्रम ब्रेक ही होगा। बाइक में 5 स्पीड गियरबॉक्स दिया जाएगा। वहीं सिंगल चैनल एबीएस, हैलोजन हैडलैंप, एलईडी टेल लैंप इसमें देखने को मिलेंगे।बताया जा रहा है कि कंपनी इस मोटरसाइकिल को अगस्त में लॉन्च करने जा रही है। अभी तक 350 सीसी सेगमेंट में रॉयल एनफील्ड क्लासिक, मिटियोर और हंटर के साथ बाजार में अपने पैर जमाए है।

इस साल एक लाख करोड़ का परिचालन लाभ कमा सकती हैं पेट्रोलियम कंपनियां: रिपोर्ट

मुंबई ।

घरेलू बाजार में अे धिक खुदरा मूल्य और विदेशी बाजारों में कच्चे तेल के भाव कमोबेश निचले स्तर पर रहने से पेट्रोलियम विपणन कंपनियों को चालू वित्त वर्ष में लगभग एक लाख करोड़ रुपए का कर-पूर्व लाभ प्राप्त होने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। चालू वित्त वर्ष में अब तक कच्चे तेल की कीमत एक साल पहले की तुलना में 30 प्रतिशत से अधिक नीचे आ चुकी है। वहीं पेट्रोलियम कंपनियों ने इस दौरान दाम नहीं घटाए हैं। तेल कीमतों में मई, 2022 से कोई बदलाव नहीं हुआ है। क्रिसिल ने बुधवार को जारी एक नोट में कहा कि चालू वित्त वर्ष में पेट्रोलियम विपणन कंपनियां (ओएमसी) एक लाख करोड़ रुपए का परिचालन लाभ कमा सकती हैं। वित्त वर्ष 2016-17 से 2021-22 के दौरान पेट्रोलियम कंपनियों का औसत परिचालन लाभ 60,000 करोड़ रुपए रहा था। पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में तो यह 33,000 करोड़ रुपए के निचले स्तर पर आ गया था। यह रिपोर्ट सार्वजनिक क्षेत्र की तीन पेट्रोलियम कंपनियों पर आधारित है। पेट्रोलियम कंपनियां दो कारोबार से पैसा कमाती हैं। पहला रिफाइनिंग है। इसमें उन्हें सकल रिफाइनिंग मार्जिन मिलता है। यह रिफाइनरी के गेट पर शोधित उत्पाद के दाम में से कच्चे तेल का दाम घटाकर निकाला जाता है। दूसरा कारोबार पेट्रोल पंपों के जरिये पेट्रोल, डीजल की बिक्री का है। इसमें उन्हें ईंधन उत्पादों पर मार्जिन मिलता है। वित्त वर्ष 2022-23 में पेट्रोलियम कंपनियों का सकल रिफाइनिंग मार्जिन औसतन 15 डॉलर प्रति बैरल था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011